संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 31
पृष्ठ 8
शुक्रवार
17 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– सुबह उठते ही होंठ फटे-फटे लगते...

विचार– जदयू के भविष्य पर सवाल

खेल– टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने...

आंध्र प्रदेश को पीएम मोदी का तोहफा, बोले-

140 करोड़ भारतीयों की होगी 21वीं सदी

अमरावती, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगभग 13,430 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित किया। मोदी ने आंध्र प्रदेश गौरव और समृद्ध संस्कृति की भूमि है। यह विज्ञान और नवाचार का केंद्र भी है। इस राज्य में असीम संभावनाएँ और अपार क्षमताएँ हैं। उन्होंने कहा कि आंध्र को सही दृष्टिकोण की आवश्यकता थी। चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण के नेतृत्व में, राज्य को अब वह दृष्टिकोण और केंद्र सरकार का समर्थन दोनों प्राप्त है। मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश विकास की राह पर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। डबल इंजन वाली सरकार की ताकत से, राज्य अभूतपूर्व विकास का गवाह बन रहा है। जैसा कि चंद्रबाबू गारू ने ठीक ही कहा है, इस अजेय गति को देखते हुए, मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँरू 2047 तक, जब भारत अपनी आज़ादी के 100 साल पूरे करेगा, यह सचमुच एक विकसित भारत होगा। उन्होंने कहा कि मैं पूरे विश्वास के साथ कहता हूँ कि 21वीं सदी भारत की सदी होगी। 21वीं सदी 140 करोड़ भारतीयों की होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज सड़क, बिजली, रेलवे, राजमार्ग और व्यापार से जुड़ी कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है। इन पहलों से उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और लोगों का जीवन आसान होगा। इन परियोजनाओं से कुरनूल और आसपास के क्षेत्रों को बहुत लाभ होगा। मैं इन विकासों के लिए कुरनूल और पूरे राज्य के लोगों को बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि तेज़ विकास के बीच हमें अतीत की स्थिति को नहीं भूलना चाहिए। लगभग 11 साल पहले, जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब प्रति व्यक्ति बिजली की खपत औसतन 1000 यूनिट से भी कम थी। देश को अक्सर ब्लैकआउट जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था, और हमारे कई गाँवों में बिजली का खंभा तक नहीं था। मोदी ने कहा कि आज दुनिया, भारत को 21वीं सदी के नए मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में देख रही है। इस सफलता का सबसे बड़ा आधार है, आत्मनिर्भर भारत का विजन। हमारा आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत का प्रमुख केंद्र बन रहा है। विकसित भारत के लक्ष्य को तेज़ी से प्राप्त करने के लिए, देश भर में मल्टीमॉडल बुनियादी ढाँचे का विकास किया जा रहा है। हमारा ध्यान गाँवों से शहरों और शहरों से बंदरगाहों तक कनेक्टिविटी को मज़बूत करने पर है।

दानापुर में सीएम योगी की हुंकार: जनता आस्था का सम्मान करने वाली एनडीए सरकार के साथ

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार का आगाज किया। बिहार में जनसभा को संबोधित करने से पहले उन्होंने माता जानकी की पवित्र भूमि को नमन करते हुए कहा है कि डबल इंजन की सरकार बिहार विकास यात्रा को आगे बढ़ाती रहेगी। मुख्यमंत्री योगी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा नमस्कार बिहार के बहिनों–बंधुगण। माता जानकी की पावन भूमि एवं भगवान बुद्ध की ज्ञान भूमि बिहार में आज दानापुर और सहरसा की जनता–जनार्दन के बीच जाकर संवाद करने का अवसर मिलेगा। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। बिहार की विकास यात्रा को और अधिक गति, गरिमा और गौरव देने के लिए डबल इंजन की सरकार सतत आगे बढ़ती रहेगी। गौरतलब है कि योगी आदित्यनाथ की बिहार में चुनावी सभाओं का 16 अक्टूबर से शुरू होंगी। योगी दानापुर विधानसभा सीट और सहरसा विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशियों से संबंधित दो चुनावी सभाओं को गुरुवार को संबोधित किया। दो चरणों वाले चुनावी राज्य बिहार में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में योगी को 25 चुनावी सभाओं को संबोधित करने के लिये भाजपा नेतृत्व ने प्लान किया हुआ है। उत्तर प्रदेश और बिहार का रिश्ता सिर्फ रिश्ता नहीं, बल्कि एक साझी विरासत है। यह एक आत्मा का बंधन है, एक संस्कृति का बंधन है, और एक संकल्प का भी बंधन है। यह रिश्ता भगवान राम और माता जानकी के बंधन जितना ही अटूट है...बिहार में फिर से डबल इंजन वाली सरकार बने और डबल इंजन वाली सरकार के नेतृत्व में बिहार के विकास की गति तेजी से बढ़ती दिखे। नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने पिछले 20 वर्षों में जो काम किए हैं, वह गति इसी तरह बनी रहे, और इसके लिए मैं आज बिहार के बहनों और भाइयों से अपील करने आया हूँ। 1990 से 2005 तक बिहार के जंगलराज और वंशवादी राजनीति के बारे में कौन नहीं जानता। आपने देखा होगा कि वो कौन लोग थे जिन्होंने बिहार की ज्ञान की आध्यात्मिक भूमि को वंशवादी राजनीति और अपराध की भूमि में बदल दिया, जिससे हमारे युवाओं के लिए पहचान का संकट पैदा हो गया। विकास के नाम पर यहाँ किस तरह अराजकता फैलाई गई, यह किसी से छिपा नहीं है... इसलिए, पिछले 20 वर्षों में एनडीए सरकार ने बिहार को उस कलंक से मुक्त करने के लिए प्रभावी ढंग से काम किया है। आज बिहार में डबल इंजन वाली सरकार इसे और भी प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने की अपील करने फिर से आई है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में ब्राजील के उपराष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को यहां ब्राजील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन से द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने रक्षा उपकरणों के सह–विकास और सह–उत्पादन के अवसर तलाशने सहित अन्य ''प्राथमिकता वाले क्षेत्रों'' की पहचान की। बैठक के दौरान ब्राजील के रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो भी मौजूद

थे। भारत और ब्राजील के बीच रणनीतिक साझेदारी है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह ने नयी दिल्ली में ब्राजील के उपराष्ट्रपति के साथ बैठक की। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''नेताओं ने संयुक्त अभ्यास और प्रशिक्षण यात्राओं सहित सैन्य आदान–प्रदान पर ध्यान केंद्रित करते हुए रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने की अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।'' उन्होंने मौजूदा रक्षा–संबंधी पहलों की प्रगति की समीक्षा भी की।

भ्रष्टाचार के एक मामले में पंजाब पुलिस के डीआईजी हरचरण भुल्लर को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बृहस्पतिवार को पंजाब के पुलिस उप महानिरीक्षक हरचरण सिंह भुल्लर को भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि भुल्लर को उनके मोहाली स्थित कार्यालय से गिरफ्तार किया गया। इस बारे में विस्तृत ब्यौरे की प्रतीक्षा है। सूत्रों ने बताया कि 2007 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी भुल्लर डीआईजी (रोपड़ रेंज) के पद पर कार्यरत हैं। रोपड़ रेंज में मोहाली, रूपनगर और फतेहगढ़ साहिब जिले शामिल हैं। भुल्लर इससे पहले डीआईजी (पटियाला रेंज) के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने सतर्कता ब्यूरो के संयुक्त निदेशक और जगराओं, मोहाली और संगरूर में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के रूप में भी काम किया है।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने विदेश यात्रा की अनुमति मांगने वाली याचिका वापस ली

मुंबई, एजेंसी। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने बृहस्पतिवार को मुंबई उच्च न्यायालय को बताया कि वह विदेश यात्रा की अनुमति के अनुरोध वाली अपनी याचिका वापस ले रही हैं। शिल्पा और उनके पति राज कुंद्रा 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी हैं। शिल्पा के वकील निरंजन मुंदरगी ने मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अनखड़ की खंडपीठ के समक्ष बताया कि अभिनेत्री अपनी याचिका वापस ले रही हैं। उन्होंने कहा, ''भविष्य में जब भी शिल्पा और उनके पति विदेश यात्रा करना चाहेंगे, वे अदालत से अनुमति के लिए नयी याचिका दायर करेंगे। वर्तमान याचिका पर शिल्पा फिलहाल जोर नहीं दे रही हैं।'' इस मामले में शिकायतकर्ता दीपक कोठारी ने दंपति पर आरोप लगाया था कि 2015 से 2023 के बीच दंपति ने उन्हें (कोठारी) अपनी कंपनी बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड में 60 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए प्रेरित किया लेकिन इस राशि का उपयोग उन्होंने अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए किया।

नक्सलवाद पर सबसे बड़ी चोट!

छत्तीसगढ़ में 170 नक्सलियों ने डाला हथियार, शाह बोले- ऐतिहासिक दिन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ पहाड़ी वन क्षेत्र और उत्तरी बस्तर को नक्सल मुक्त घोषित कर दिया। 170 माओवादियों ने आज आत्मसमर्पण कर दिया। वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में इसे एक ऐतिहासिक दिन बताते हुए शाह ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में 170 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। कल राज्य में 27 ने हथियार डाल दिए थे। महाराष्ट्र में कल 61 नक्सली मुख्यधारा में लौट आए। कुल मिलाकर, पिछले दो दिनों में 258 युद्ध–प्रशिक्षित वामपंथी उग्रवादियों ने हिंसा का त्याग किया है। यह हालिया आत्मसमर्पण छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 10 महिलाओं सहित 27 माओवादियों द्वारा सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण करने के एक दिन बाद हुआ है। इस समूह में उग्रवादी नेटवर्क की सबसे खतरनाक इकाइयों में से एक, खूंखार पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन–01 के दो कट्टर कार्यकर्ता भी शामिल थे। आत्मसमर्पण करने वाले और मुख्यधारा में शामिल हुए माओवादियों का स्वागत करते हुए, शाह ने हिंसा का त्याग करने और भारत के संविधान में आस्था रखने के उनके निर्णय की सराहना की। शाह ने कहा कि मैं हिंसा का त्याग करने और भारत के संविधान में आस्था रखने के उनके निर्णय की सराहना करता हूँ। यह इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा इस समस्या को समाप्त करने के अथक प्रयासों के कारण नक्सलवाद अब अपनी अंतिम साँसें ले रहा है। शाह ने आगे घोषणा की कि छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तरी बस्तर को आज नक्सली आतंक से मुक्त घोषित कर दिया गया है। उन्होंने कहा, यह बेहद खुशी की बात है कि छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तारी बस्तर, जो कभी आतंकवादियों के गढ़ थे, आज नक्सली आतंक से मुक्त घोषित कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण बस्तर में अब नक्सलवाद के केवल निशान ही बचे हैं और उन्होंने संकल्प लिया कि सुरक्षा बल जल्द ही इस समस्या का सफाया कर देंगे। उन्होंने कहा, अब दक्षिण बस्तर में नक्सलवाद का एक अंश बचा है, जिसे हमारे सुरक्षा बल जल्द ही मिटा देंगे।

गुजरात में सीएम भूपेंद्र पटेल को छोड़कर सभी मंत्रियों का हुआ इस्तीफा

गुजरात, एजेंसी। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को छोड़कर सभी मंत्रियों ने गुरुवार को संभावित मंत्रिमंडल विस्तार से एक दिन पहले इस्तीफा दे दिया। गुजरात मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री पटेल सहित 17 मंत्री शामिल थे। आठ कैबिनेट स्तर के मंत्री थे, जबकि इतने ही राज्य मंत्री थे। 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा में 27 मंत्री या सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत हो सकता है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गुजरात कैबिनेट का शुक्रवार को विस्तार होने वाला है। एक वरिष्ठ भाजपा नेता के हवाले से बताया कि आगामी कैबिनेट विस्तार में राज्य को लगभग 10 नए मंत्री मिलने की उम्मीद है। उन्होंने आगे बताया कि लगभग आधे मौजूदा मंत्रियों को बदला जा सकता है। रिपोर्टों से पता चलता है कि धर्मेंद्रसिंह, ऋषिकेश पटेल, मुकेश पटेल और भूपेंद्रसिंह चुडासमा जैसे मंत्रियों के अपने पद बरकरार रहने की संभावना है, जबकि कनुभाई देसाई (वित्त), राघवजी पटेल (कृषि), कुंवरजी बावलिया (जल आपूर्ति) और मुरुभाई बेरा (पर्यटन) जैसे अन्य मंत्रियों को हटाया जा सकता है।

अरुणाचल प्रदेश सड़क संपर्क में ऐतिहासिक परिवर्तन का गवाह बन रहा है : खांडू

ईटानगर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि संपर्क और बुनियादी ढांचा विकास की दिशा में राज्य एक 'ऐतिहासिक' परिवर्तन का गवाह बन रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के 'पेमा 3.0– सुधार और विकास वर्ष' पहल के तहत सड़क और पुल निर्माण में अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की गयी है। सोशल मीडिया पर प्रगति को साझा करते हुए खांडू ने कहा कि राज्य में ग्रामीण सड़कों में 251 प्रतिशत विकास दर्ज किया गया और 3,750 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया है जो बेहतर संपर्क के माध्यम से समावेशी विकास के बारे में सरकार के

मजबूत दृष्टिकोण को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''अरुणाचल प्रदेश संपर्क में एक नया अध्याय लिख रहा है। अथक प्रयासों और दूरदर्शी योजना के साथ हमने राज्य के कोने–कोने तक भी सड़क बुनियादी ढांचे का विस्तार किया है।'' उन्होंने कहा कि केंद्र ने सीमांत राजमार्गों के निर्माण के लिए 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि मंजूर की है जिससे राज्य के सीमांत क्षेत्रों में अंतर–जिला संपर्क, सीमा क्षेत्र विकास और पर्यटन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। खांडू ने जोर देकर कहा, ''सीमावर्ती इलाकों पर रहने वाले हमारे लोग अब खुद को अलग–थलग महसूस नहीं करेंगे। सीमांत राजमार्ग न सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेंगे, बल्कि सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए व्यापक अवसर भी खोलेंगे।'' राज्य की बजटीय प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के बजट का 12.9 प्रतिशत हिस्सा सड़कों और पुलों के लिए आवंटित किया जाता है जो भारत में सबसे अधिक है।

24 ट्रांसजेंडरों ने पिया फिनाइल, एक गुट की प्रमुख को हिरासत में लिया गया

इंदौर, एजेंसी। इंदौर में ट्रांसजेंडर समुदाय के लगभग 24 लोगों ने बुधवार रात एक साथ फिनाइल पीने का दावा किया है, जिसके बाद उन्हें एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सरकारी महाराजा यशवंतराव अस्पताल (एमवायएच) के प्रभारी अधीक्षक डॉ. बसंत कुमार निंगवाल ने पीटीआई–भाषा को बताया, ष्ट्रांसजेंडर समुदाय के लगभग 25 लोगों को हमारे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने एक साथ फिनाइल पीने का दावा किया है, लेकिन इसकी तत्काल पुष्टि नहीं हो पाई है।ष उन्होंने बताया कि किसी भी मरीज की हालत गंभीर नहीं है। हालांकि, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों द्वारा सामूहिक रूप से की गई इस घटना के पीछे क्या कारण था, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया है। इंदौर में ट्रांसजेंडर समुदाय के गुटीय विवाद में 24 लोगों के कथित तौर पर फिनाइल पीने के बाद बृहस्पतिवार को पुलिस ने एक गुट की प्रमुख को हिरासत में लिया।

पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया कि पंढरीनाथ पुलिस थाने में दर्ज मामले के आधार पर ट्रांसजेंडर के एक स्थानीय गुट की प्रमुख सपना गुरु को हिरासत में लिया गया है।

उन्होंने बताया कि ट्रांसजेंडर के दूसरे गुट के सदस्यों का आरोप है कि सपना गुरु और उसके तीन साथियों ने इस समुदाय के एक सम्मेलन के लिए एकत्रित धरोहर राशि उन्हें लौटाने से इनकार कर दिया।

भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' का दुनिया ने देखा पराक्रम, राजनाथ बोले- यह आत्मनिर्भरता का सबूत

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की आत्मनिर्भरता का जीता जागता सबूत है। उन्होंने ऑपरेशन के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता की सराहना की। पुणे में सिम्बायोसिस स्किल्स एंड प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अपने आप में हमारी आत्मनिर्भरता का जीता जागता सबूत है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमारे सशस्त्र बलों द्वारा प्रदर्शित वीरता को पूरी दुनिया ने देखा। खास बात यह है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमारे बलों ने बड़ी मात्रा में भारत में निर्मित उपकरणों

का इस्तेमाल किया। ऑपरेशन सिंदूर 7 मई को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए एक आतंकी हमले के बाद शुरू किया गया था, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओजेके) में आतंकवादी ढाँचे पर हमला किया। भारतीय सशस्त्र बलों ने बाद में हुए पाकिस्तानी आक्रमण को भी प्रभावी ढंग से विफल किया और उसके हवाई ठिकानों पर बमबारी की। भारत की कड़ी प्रतिक्रिया के बाद, पाकिस्तानी डीजीएमओ ने शत्रुता समाप्त करने के लिए अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क किया। इसके अतिरिक्त, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी भारतीय रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर भाजपा सरकार के फोकस पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से रक्षा क्षेत्र में जो स्थितियाँ थीं, हमने उन्हें बदल दिया है। हमने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत अपने सैनिकों के लिए देश में ही हथियार बनाएगा। हमारे लिए परिस्थितियाँ बहुत प्रतिकूल थीं। लेकिन हमने हार नहीं मानी। हमने रक्षा निर्माण को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किया। और हमें अपने प्रयासों के सकारात्मक परिणाम दिखने लगे। राजनाथ सिंह ने युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्किल इंडिया और स्टार्ट–अप इंडिया पहल पर भी प्रकाश डाला।

सबसे बड़ी भर्ती परीक्षा के लिए यूपीपीएससी ने शुरू की तैयारी, 12.36 लाख से अधिक अभ्यर्थी होंगे शामिल

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की अब तक की सबसे बड़ी भर्ती परीक्षा के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। केंद्रों के चयन, प्रशिक्षण संग आयोग परिसर स्थित कंट्रोल रूम में जरूरी बदलाव के निर्देश दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की अब तक की सबसे बड़ी भर्ती परीक्षा के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। केंद्रों के चयन, प्रशिक्षण संग आयोग परिसर स्थित कंट्रोल रूम में जरूरी बदलाव के निर्देश दिए गए हैं। आयोग की ओर से राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक (एलटी ग्रेड) के 7466 पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इन पदों के लिए 1236238 प्रतियोगियों ने आवेदन किया है। आयोग के अफसरों के अनुसार आवेदकों की संख्या के लिहाज से यह अब तक की सबसे बड़ी भर्ती परीक्षा है।

आयोग ने विषय के अनुसार तीन दिनों में परीक्षा कराने का निर्णय लिया है। पहले चरण में छह और सात दिसंबर को परीक्षा कराई जाएगी। इसके बाद 21 दिसंबर को परीक्षा होगी। इस संबंध में आयोग की ओर से सभी जिलों से केंद्रों की जानकारी मांग ली गई है। इसके अलावा अन्य तैयारी भी शुरू कर दी गई है।

जिलों में एक सप्ताह पहले पहुंच जाएंगे आयोग के प्रतिनिधि

आरओ–एआरओ प्रारंभिक परीक्षा का पेपर आउट होने के बाद आयोग ने कई सख्त कदम उठाए हैं। इसके तहत आयोग के प्रतिनिधि परीक्षा की तारीख से एक सप्ताह पहले ही संबंधित जिलों में पहुंच जाएंगे। इनकी निगरानी में अफसरों, कक्ष निरीक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा परीक्षा संपन्न होने के बाद जरूरी प्रक्रिया पूरी कर लौटने में भी उन्हें दो दिन लग जाते हैं। इसे देखते हुए दो दिन की परीक्षा के बाद 13 दिनों का गैप रखा गया है। ताकि, आने–जाने व अन्य तैयारी में किसी तरह की परेशानी न होने पाए।

एलटी ग्रेड भर्ती परीक्षा में भी पीसीएस–2025 की तरह कंट्रोल रूम से नजर रखी जाएगी। इसके लिए एलटी ग्रेड की परीक्षा प्रारूप को ध्यान में रखकर कंट्रोल रूम में भी जरूरी बदलाव के निर्देश दिए गए हैं। कंट्रोल रूम की मदद से प्रत्येक अभ्यर्थी की हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। इतना ही नहीं, हर परीक्षा केंद्र एक सेक्टर के रूप में होगा। हर परीक्षा केंद्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं इंस्पेक्टर की तैनाती की जाएगी।

बिहार का स्वतंत्रता सेनानी आश्रित प्रमाण पत्र यूपी में मान्य नहीं, सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बिहार निवासी का बिहार से प्राप्त स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित प्रमाण पत्र के आधार पर उत्तर प्रदेश (यूपी) में सहायक प्रोफेसर (अर्थशास्त्र) के पद पर नियुक्ति को रद्द करने के फैसले को सही ठहराते हुए याचिका खारिज कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बिहार निवासी का बिहार से प्राप्त स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित प्रमाण पत्र के आधार पर उत्तर प्रदेश (यूपी) में सहायक प्रोफेसर (अर्थशास्त्र) के पद पर नियुक्ति को रद्द करने के फैसले को सही ठहराते हुए याचिका खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने डॉ.रौशन कुमार सिंह ने की याचिका पर दिया। इन्होंने उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा सेवा आयोग की परीक्षा में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित श्रेणी के तहत भाग लिया था। बिहार के रहने वाले हैं और इनके पास वहां का स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित का प्रमाण पत्र है। इन्हें सहायक प्रोफेसर (अर्थशास्त्र) के पद पर सफल घोषित किया गया और 25 मार्च 2023 को नियुक्ति पत्र जारी किया गया। इन्होंने नेहरू महाविद्यालय, ललितपुर में कार्यभार ग्रहण किया। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने नोटिस जारी कर इन्हें स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित प्रमाण पत्र के विवाद को स्पष्ट करने के लिए समिति के सामने पेश होने को कहा। पेशी के बाद सचिव, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने तीन जुलाई 2025 को इनकी उम्मीदवारी और चयन को रद्द कर दिया। इस आदेश को इन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित प्रमाण पत्र वास्तविक पाया गया था। केवल इस आधार पर कि याचिकाकर्ता उत्तर प्रदेश राज्य के बाहर का अधिवासी है। इनकी उम्मीदवारी और नियुक्ति रद्द नहीं की जा सकती है। प्रतिवादी अधिवक्ता ने दलील दी कि उप्र लोक सेवा अधिनियम–1993 के तहत स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के तहत आरक्षण केवल उत्तर प्रदेश के निवासियों को मिलेगा।

पुराने टीन के डिब्बे रीपैकिंग पर 7 लाख का तेल सीज, 15 नमूने जांच के लिए भेजे गए

प्रयागराज। पुरानी टीन के डिब्बे और प्लास्टिक के कंटेनर में सरसों तेल व राइस ब्रान ऑयल की रीपैकिंग के मामले में खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने बुधवार को मुट्ठीगंज में कार्रवाई करते हुए तकरीबन सात लाख रुपये का तेल सीज कर दिया। पुरानी टीन के डिब्बे और प्लास्टिक के कंटेनर में सरसों तेल व राइस ब्रान ऑयल की रीपैकिंग के मामले में खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने बुधवार को मुट्ठीगंज में कार्रवाई करते हुए तकरीबन सात लाख रुपये का तेल सीज कर दिया। डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर विभाग की टीम ने दीपावली के त्यौहार के मद्देनजर खाद्य पदार्थों के 15 नमूने भी संकलित किए, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय के निर्देशन और मुख्य सुरक्षा अधिकारी के पर्यवेक्षण में मुट्ठीगंज स्थित फर्म का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि फर्म का लाइसेंस होलसेल श्रेणी का है लेकिन वहां पर राइस ब्रान ऑयल और सरसों के तेल की रीपैकिंग प्लास्टिक के कंटेनर एवं पुरानी टीन के डिब्बों में की जा रही है। वहां से टीम द्वारा सरसों के तेल के तीन सैंपल लेते हुए 1495 किलोग्राम सरसों का तेल सीज कर दिया गया, जिसका मूल्य 228445 रुपये है। वहीं, टैंक में स्थित राइस ब्रान ऑयल के दो नमूने लेते हुए 3800 किलोग्राम राइस ब्रान ऑयल सीज किया गया जिसका मूल्य 494000 रुपये है। साथ ही मशीन, कंटेनर और अन्य उपकरण भी सीज कर दिए गए। वहीं, विभाग की टीमों ने छेना की मिठाई, बर्फी, फ्रोजन डेजर्ट ,चीनी खिलौने, खोवा, मिल्क केक, पनीर व घी के नमूने लिए और मिलावट की आशंका पर 44 किलोग्राम खोवा, नौ किलोग्राम मिल्क केक नष्ट कराया।

पहली बार बिना ओपन हार्ट सर्जरी के किया दिल का इलाज, एसआरएन के डॉक्टरों ने रचा नया कीर्तिमान

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल के चिकित्सकों ने नया कीर्तिमान स्थापित किया गया। युवक के दिन में बने छह मिमी के छेद को बिना ओपेन हॉर्ट सर्जरी के ही पतली नली के माध्यम से बंद कर दिया। प्रयागराज मंडल में यह पहला मामला है। इस तरह की तकनीक देश के चुनिंदा बड़े अस्पतालों में ही उपलब्ध है। इसमें अब प्रयागराज का एसआरएन अस्पताल भी शामिल हो गया है।

स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) के कार्डियक कैथ लैब में डॉक्टरों की टीम ने एक बड़ा चिकित्सीय कारनामा कर दिखाया। 21 वर्षीय युवक के दिल में मौजूद 6 मिमी के छेद (वीएसडी) को बिना ओपन हार्ट सर्जरी के सफलतापूर्वक बंद किया गया। यह प्रयागराज मंडल में इस प्रकार का पहला मामला है, जिसने चिकित्सा जगत में नई उम्मीदें जगा दी हैं।

मरीज को पहले ओपन हार्ट सर्जरी की सलाह दी गई थी, जिससे वह और उसका परिवार काफी परेशान थे, लेकिन एसआरएन के युवा कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. विमल निषाद और डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने हिम्मत और कौशल का परिचय देते हुए आधुनिक तकनीक से कैथ लैब में ही यह जटिल प्रक्रिया पूरी कर दी।

इस प्रक्रिया में मरीज का सीना नहीं खोला गया, बल्कि एक पतली नली (कैथेटर) के माध्यम से हृदय तक पहुंचकर विशेष उपकरण से छेद को बंद किया गया। टीम में टेक्नीशियन ओमवीर और योगेश ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विभागाध्यक्ष डॉ. पीयूष सक्सेना ने बताया कि यह प्रयागराज के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। अब ऐसे मरीजों को बड़े ऑपरेशन और लंबे रिकवरी पीरियड से नहीं गुजरना पड़ेगा। यह तकनीक सुरक्षित, सरल और कम खर्चीली है। उन्होंने कहा कि एसआरएन अस्पताल अब उन चुनिंदा केंद्रों में शामिल हो गया है जहां बिना ओपन सर्जरी के हृदय के जन्मजात छेद का इलाज संभव है।

कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. विमल निषाद ने बताया कि यह प्रक्रिया काफी चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि हृदय का छेद बहुत नाजुक स्थान पर था। उन्होंने कहा कि हमें कई घंटे तक कैथ लैब में बैठकर हर स्टेप की सावधानीपूर्वक योजना बनानी पड़ी। डिवाइस का साइज और पोजिशन तय करने में ज़रा सी गलती भी गंभीर जटिलता पैदा कर सकती थी। पूरी टीम ने शांत मन से काम किया और जब स्क्रीन पर छेद पूरी तरह बंद होता दिखाई दिया, वह पल हमारे लिए बेहद भावुक था।

मरीज के परिजनों ने भावुक होकर कहा कि डॉक्टरों ने हमारे बेटे को नई ज़िंदगी दी है। हमें लगा था कि बड़ा ऑपरेशन कराना पड़ेगा, पर बिना सीना खोले ही सब हो गया। यह किसी चमत्कार से कम नहीं।

2017 से पहले 16 साल से अधिक उम्र की पत्नी के साथ संबंध अपराध नहीं, कोर्ट ने आरोपी को किया बरी

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने कानपुर के एक मामले में 2005 की घटना में विवाह के बाद बने शारीरिक संबंध को अपराध मानते हुए ट्रायल कोर्ट की ओर सुनाई गई सजा और दोषसिद्धि को रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति अनिल कुमार की खंडपीठ ने इस्लाम उर्फ पलटू की अपील पर दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि वर्ष 2017 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले 16 से 18 साल उम्र की पत्नी संग शारीरिक संबंध आईपीसी के तहत दुष्कर्म नहीं था। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने 2005 की घटना में विवाह के बाद बने शारीरिक संबंध को अपराध मानते हुए ट्रायल कोर्ट की ओर सुनाई गई सजा और दोषसिद्धि को रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति अनिल कुमार की खंडपीठ ने इस्लाम उर्फ पलटू की अपील पर दिया। कानपुर नगर निवासी अपीलकर्ता पर पीड़िता के पिता ने 2005 में दुष्कर्म, अपहरण सहित कई आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया था।

आरोप लगाया था कि उसकी 16 वर्षीय बेटी को बहला–फुसला कर भगा ले गया

और दुष्कर्म किया। वहीं, आरोपी का कहना था कि दोनों मुस्लिम हैं और उन्होंने सहमति से पीड़िता से निकाह किया था। ट्रायल कोर्ट ने पीड़िता को नाबालिग मानते हुए उसकी सहमति को महत्वहीन मानते हुए दुष्कर्म, अपहरण, विवाह के लिए मजबूर करने के इरादे से अपहरण का दोषी करार देते हुए सजा सुनाई। इस फैसले को अपीलकर्ता ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

पीड़िता और अपीलकर्ता दोनों मुस्लिम

अपीलकर्ता के अधिवक्ता ने दलील दी कि पीड़िता की चिकित्सा जांच रिपोर्ट के अनुसार उसकी उम्र 16 वर्ष से अधिक थी। हालांकि, 18 वर्ष से अधिक नहीं थी। पीड़िता और अपीलकर्ता दोनों मुस्लिम थे और उन्होंने निकाह किया था। पीड़िता के बयान से यह स्पष्ट था कि शारीरिक संबंध विवाह के बाद स्थापित हुए थे। ऐसे में उन्हें दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

कोर्ट ने 2017 में सुप्रीम कोर्ट के इंडिपेंडेंट थॉट बनाम यूनियन ऑफ इंडिया के फैसले का हवाला दिया। इसके तहत 18 वर्ष से कम आयु की पत्नी के साथ यौन संबंध भी बलात्कार माना गया। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में स्पष्ट किया था कि यह फैसला भविष्य के प्रभाव से लागू होगा। इसलिए 2005 की घटना में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला लागू नहीं होगा। कोर्ट ने अपीलकर्ता को दुष्कर्म के साथ ही अन्य आरोप से बरी कर दिया और अपील स्वीकार कर ली।

कागजों में मृत 400 बुजुर्ग हैं जिंदा, प्रशासन की लापरवाही से पेंशन से रहे वंचित

प्रयागराज। बुढ़ापे में जब सहारे की सबसे ज्यादा जरूरत होती है तब अगर व्यवस्था ही आपको मृत घोषित कर दे तो अस्तित्व पर ही संकट खड़ा हो जाता है। इसका दर्द जिले के 400 बुजुर्ग झेल रहे हैं।

बुढ़ापे में जब सहारे की सबसे ज्यादा जरूरत होती है तब अगर व्यवस्था ही आपको मृत घोषित कर दे तो अस्तित्व पर ही संकट खड़ा हो जाता है। इसका दर्द जिले के 400 बुजुर्ग झेल रहे हैं। इन्हें सत्यापन के दौरान गांव की राजनीति और अफसरों की लापरवाही के चलते कागजों में मृत घोषित कर दिया है। नतीजतन इनकी पेंशन रुकने के साथ इलाज के लिए भी मुसीबत बढ़ गई और गुजर–बसर तक मुश्किल हो गया। वृद्धावस्था पेंशन ऐसे बुजुर्गों के लिए जीवन रेखा है जिनका कोई स्थायी सहारा नहीं है। जिले में 1.63 लाख से अधिक पेंशनधारी हैं लेकिन वर्ष 2020 से 2025 के बीच हुए सत्यापन में 400 से अधिक बुजुर्गों को मृत घोषित कर दिया गया जबकि ये जीवित हैं।

समाज कल्याण विभाग को मृतकों की सूची मिली तो इनकी पेंशन तत्काल बंद कर दी गई। बाद में शिकायत हुई तो विभाग ने सभी 400 बुजुर्गों की पेंशन

मंजूर कराकर जानकारी शासन को भेज दी। इनमें से अब तक 53 की पेंशन बहाल हो चुकी है। बाकी की पेंशन अब भी सिस्टम में उलझी है। कभी फोटो जमा कराई जा रही है तो कभी गवाह लेकर अधिकारियों के चक्कर कटाए जा रहे हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर एक पंचायत सचिव को निलंबित किया गया है। समाज कल्याण विभाग के पर्यवेक्षक पर भी कार्रवाई हुई है।

केस एक: 75 वर्षीय शांति देवी, फूलपुर के नसरतपुर गांव की रहने वाली हैं। इन्हें मई 2024 में मृत घोषित कर दिया गया। 23 जून से इनकी पेंशन बंद हो गई। इनके बेटों के अनुसार, अम्मा खुद ब्लॉक ऑफिस गईं और अफसर से बोलीं कि देख लो बेटा, मैं जिंदा हूं। फिर भी कोई फर्क नहीं पड़ा।

केस दो: 67 वर्षीय किताबुनिशा को भी मरे हुए लोगों की सूची में डाल दिया गया। उन्हें तब पता चला जब पेंशन अकाउंट में नहीं आई। समाज कल्याण विभाग की खामोशी ने इनकी तकलीफें और बढ़ा दीं।

केस तीन: 76 वर्षीय बैजनाथ ने को पेंशन रुकने की तारीख भी याद है। वह आंखों में गुस्सा और बेबसी लिए बताते हैं कि सरकार पेंशन देती है लेकिन जब लेने जाओ तो बोल दिया जाता है कि तुम मृत हो।

केस चार: 86 वर्षीय धनपति को डीएम के निर्देश पर दोबारा जांच में जीवित पाया गया। अक्टूबर 2025 में उनकी पेंशन फिर शुरू हुई लेकिन उनका सवाल है कि अब कौन भरोसा करे कि अगली बार फिर कागजों में मृत घोषित नहीं किया जाएगा।

सत्यापन के दौरान 400 बुजुर्गों को मृत बताए जाने के बाद वर्ष 2020 से 2025 के बीच में पेंशन बंद कर दी गई थी। मामला संज्ञान में आने के बाद सभी की पेंशन दोबारा मंजूर कर शासन को जानकारी दे दी गई है। 53 लोगों की पेंशन उनके खाते में पहुंच चुकी है। शेष लोगों की भी जल्द पहुंचने की उम्मीद है। डीएम के निर्देश पर एक सचिव और पर्यवेक्षक के खिलाफ कार्रवाई भी हुई है। – रामशंकर पटेल, जिला समाज कल्याण अधिकारी

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी- गरीब व्यक्ति न्याय के लिए दर-दर भटक रहा है तो न्यायालय अपनी आंख बंद नहीं कर सकता

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने पुलिस की लापरवाही को देखते हुए पुलिस अधीक्षक (एसपी), बिजनौर को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे कथित तौर पर अपहृत महिला उषा देवी को बरामद करें और अगली सुनवाई पर न्यायालय के समक्ष पेश करें।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पत्नी के कथित अपहरण के मामले में पुलिस के अंतिम रिपोर्ट लगाए जाने और महिला को बरामद न करने पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि जब एक गरीब व्यक्ति अपनी पत्नी को खोजने और न्याय पाने के लिए दर–दर भटक रहा हो तो न्यायालय अपनी आंखें बंद नहीं कर सकता।

हाईकोर्ट ने पुलिस की लापरवाही को देखते हुए पुलिस अधीक्षक (एसपी), बिजनौर को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे कथित तौर पर अपहृत महिला उषा देवी को बरामद करें और अगली सुनवाई पर न्यायालय के समक्ष पेश करें। यदि महिला को पेश नहीं किया गया तो एसपी बिजनौर को 16 अक्तूबर 2025 को सुबह 10 बजे व्यक्तिगत रूप से अदालत में हाजिर होना पड़ेगा।

यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की पीठ ने बृजेश उर्फ ब्रजपाल की जमानत अर्जी पर दिया है।

मामला बिजनौर के कोतवाली शहर पुलिस स्टेशन का है। शिकायतकर्ता गजराज सिंह ने आठ अगस्त 2012 को एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप था कि याची ब्रजपाल और सह–आरोपी उसकी पत्नी उषा देवी को सुभाष चौराहा, बिजनौर से एक कार में ज़बरदस्ती उठा ले गए। पुलिस ने 18 दिसंबर 2013 को यह कहते हुए अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी कि अपहरण का कोई चश्मदीद गवाह नहीं मिला।

शिकायतकर्ता ने इसके बाद विरोध याचिका दायर की जिसे एक शिकायत वाद के रूप में दर्ज किया गया और आरोपियों को 22 जुलाई 2016 को तलब किया गया। समन आदेश के विरुद्ध पुनरीक्षण दायर किया जिसे अस्वीकार कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने ट्रायल कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया और जमानत के लिए आवेदन दायर किया जिसे 24 जनवरी 2025 को अस्वीकार कर दिया गया। जमानत अर्जी खारिज होने के बाद आरोपी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने पाया कि अपहरण का मामला दर्ज होने के बावजूद पुलिस ने अपहृत महिला को बरामद करने में लापरवाही बरती। कोर्ट ने अपनी निहित असाधारण शक्ति का प्रयोग करते हुए एसपी बिजनौर को अपहृत महिला उषा देवी को बरामद करने का निर्देश दिया।

कनिष्ठ सहायक के 62 पदों के लिए हुई भर्ती परीक्षा का परिणाम घोषित, श्रेणीवार कटऑफ भी जारी

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग ने बुधवार को सचिवालय में कनिष्ठ सहायक के 62 पदों का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया। इसी के साथ श्रेणीवार कटऑफ भी जारी कर दिया है। समान अंक पर एक से अधिक अभ्यर्थी होने की स्थिति में उम्र और नामकरण के आधार पर चयन की प्रक्रिया पूरी की गई है।

कर्मचारी चयन आयोग ने बुधवार को सचिवालय में कनिष्ठ सहायक के 62 पदों का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया। इसी के साथ श्रेणीवार कटऑफ भी जारी कर दिया है। समान अंक पर एक से अधिक अभ्यर्थी होने की स्थिति में उम्र और नामकरण के आधार पर चयन की प्रक्रिया पूरी की गई है।

आयोग की ओर से इन पदों के लिए पिछले वर्ष आवेदन मांगे गए थे। वहीं परीक्षा इसी वर्ष 15 जून को कराई गई थी। कुल चयनित 62 अभ्यर्थियों में से 49 सामान्य वर्ग के हैं। अनुसूचित जाति के आठ, अनुसूचित जनजाति के पांच अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। गौर करने वाली बात यह है कि अनुसूचित जन जाति का कटऑफ 139.25 तथा अनुसूचित जाति का 106 अंक है। वहीं, सामान्य का कटऑफ 156.25 अंक है। आयोग की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार उत्तरी कुंजी पर अभ्यर्थियों से ली गई आपत्तियों के निस्तारण के बाद अंतिम परिणाम घोषित किया गया है। अंतिम उत्तर कुंजी तथा सभी अभ्यर्थियों को मिले अंक शीघ्र आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे।

दिवाली पर निजी बस से दिल्ली से प्रयागराज का किराया पहुंचा पांच हजार रुपये, हवाई किराया भी आसमान पर

प्रयागराज। दिवाली के मौके पर निजी बस ऑपरेटरों ने मनमानी शुरू कर दी है। पर्व से पहले प्रयागराज आने वाली कई ट्रेनों में यात्रियों की लंबी प्रतीक्षा सूची होने के बाद प्रयागराज और वाराणसी की तरफ से निजी ऑपरेटरों की ओर से संचालित एसी स्लीपर बसों का किराया पांच से छह हजार रुपये तक पहुंच गया है। दिवाली के मौके पर निजी बस ऑपरेटरों ने मनमानी शुरू कर दी है। पर्व से पहले प्रयागराज आने वाली कई ट्रेनों में यात्रियों की लंबी प्रतीक्षा सूची होने के बाद प्रयागराज और वाराणसी की तरफ से निजी ऑपरेटरों की ओर से संचालित एसी स्लीपर बसों का किराया पांच से छह हजार रुपये तक पहुंच गया है। ट्रेनों में कंफर्म टिकट न मिलने से मजबूरी में लोग यह महंगा टिकट खरीदने के लिए मजबूर हो रहे हैं। सामान्य दिनों में दिल्ली से प्रयागराज आने वाली एसी स्लीपर बसों का किराया 1400 से 1800 रुपये तक रहता है। वहीं, वर्तमान में इनका किराया पांच हजार रुपये या उससे अधिक का हो गया है। निजी बस ऑपरेटर एसी बस (सीटिंग) और स्लीपर बसों के टिकट की बुकिंग एप के जरिये कर रहे हैं। 16 अक्तूबर को दिल्ली से प्रयागराज का स्लीपर बस में अधिकतम किराया 3200 रुपये है तो वहीं, 17 अक्तूबर को यह किराया 3500 रुपये, 18 को 4000–5000 और 19 को किराया 5000–6000 के बीच है। हालांकि, डबल स्लीपर (एक सीट पर दो यात्री) में किराया 700 से 800 रुपये कम है। वहीं, सीटिंग टू बाई टू (दोनों तरफ दो–दो सीट बैठने के लिए) का अधिकतम किराया 3500–4000 तक पहुंच गया है।

अल्लापुर के विमल कुशवाहा ने बताया कि उन्होंने 19 अक्तूबर के लिए स्लीपर बस में टिकट बुक कराया है। आनंद विहार से स्लीपर बस 19 की शाम सात बजे चलेगी। कहा कि उन्हें 4800 रुपये में टिकट मिला है। इसी तरह गुरुग्राम स्थित एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करने वाले जितेंद्र प्रकाश ने बताया कि उन्होंने पांच हजार रुपये में स्लीपर बस का टिकट बुक कराया है। त्योहारी सीजन में दिल्ली से आने वाली फ्लाइट का किराया भी काफी बढ़ गया है। 17 और 19 अक्तूबर को दिल्ली से चलने वाली विमानन कंपनी इंडिगो और एलाइंस एयर की फ्लाइट फुल हो गई है। इसी तरह 18 अक्तूबर को किराया 15 हजार रुपये से ज्यादा का दर्शाया जा रहा है। दिल्ली से प्रयागराज के लिए यूपी रोडवेज की ओर से 17 अक्तूबर से 10 सामान्य बसों का संचालन किया जा रहा है। जिन लोगों को प्रयागराज आना है वह इन बसों के माध्यम से आ सकते हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक प्रयागराज रीजन रविंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बसें आनंद विहार बस स्टेशन से मिलेंगी। शेयरिंग टैक्सी का भी विकल्प है।

संक्षिप्त

चांडूराम की अंतिम यात्रा में पाकिस्तान से लखनऊ आए भक्त,नंगे पांव चले

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में सिंधी समाज के संत साईं चांडूराम साहिब की अंतिम यात्रा में हजारों लोगों की भीड़ है। उनकी अंतिम यात्रा आलमबाग स्थित शिव शक्ति आश्रम से निकल चुकी है। इसमें अनुयायी नंगे पांव ही शामिल हुए हैं। कई अनुयायी पाकिस्तान के कराची से आए हैं। सीएम योगी ने गुरुवार सुबह और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बुधवार रात साईं चांडूराम के पार्थिव शरीर के अंतिम किए। साईं चांडूराम लंबे समय से बीमार थे। उन्होंने बुधवार दोपहर मेदांता हॉस्पिटल में 78 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। उनके निधन के बाद से ही आश्रम में हजारों की भीड़ लगी हुई थी। आज सुबह से अनुयायियों का तांता लगा हुआ था। अंतिम दर्शन के लिए आश्रम के बाहर 1–1 किमी लंबी 2 लाइनें लगी हुई थीं। कई महिला अनुयायी अंतिम दर्शन के साथ रोती नजर आईं। हजारों भक्त रोते बिलखते हुए संत के अंतिम यात्रा में शामिल हैं। लखनऊ सांसद व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने संत के निधन पर शोक जताया। राजनाथ सिंह ने लिखा– संत साईं चांडूराम साहिब ने अपना संपूर्ण जीवन समाज के दीनहीन और असहायजनों की सेवा में समर्पित कर दिया। संत का जन्म 9 सितंबर 1947 को पाकिस्तान के सक्खर जिले में हुआ था। 13 साल की उम्र में इन्होंने गुरु की गद्दी संभाली। 1976 में यानी 49 साल पहले पाकिस्तान से भारत आए। अनुयायियों के आग्रह पर लखनऊ में बस गए। तब से वे लगातार समाजसेवा, धार्मिक उपदेश और मानवता के प्रचार में लगे रहे।

शिव शांति आश्रम पहुंचे सीएम योगी, संत शिरोमणि साईं चांडूराम के किए अंतिम दर्शन

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को लखनऊ स्थित शिव शांति आश्रम पहुंचे और आश्रम के पीठाधीश्वर संत शिरोमणि साईं चांडूराम जी के अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने संत शिरोमणि के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की और उपस्थित शोकाकुल श्रद्धालुओं के प्रति अपनी गहरी संवेदनायें व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री योगी ने इस अवसर पर संत शिरोमणि साईं चांडूराम के पार्थिव शरीर पर केसरिया अंग वस्त्र ओढ़ाया और उनकी प्रतिमा पर

पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। गौरतलब है कि संत शिरोमणि साईं चांडूराम जी बुधवार को ब्रह्मलीन हो गए थे। मुख्यमंत्री योगी ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए बुधवार को ही अपने सोशल मीडिया संदेश में लिखा था,सिंधी समाज के प्रमुख धर्मगुरु, पूज्य श्री शांति आश्रम के पीठाधीश्वर, संत शिरोमणि श्री सांईं चांडूराम साहिब जी का निधन अत्यंत दुःखद और आध्यात्मिक समाज की अपूरणीय क्षति है। मेरी संवेदनाएं उनके शोक संतप्त अनुयायियों के साथ हैं। भगवान झूलेलाल से प्रार्थना है कि पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान और अनुयायियों को यह दुरूख सहने की शक्ति प्रदान करें। ओमः शांति। मुख्यमंत्री के आगमन के दौरान आश्रम परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सभी ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संत शिरोमणि साईं चांडूराम जी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। श्रद्धालुजन और अनुयायी संत शिरोमणि के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हुए उनके आदर्शों को जन–जन तक पहुंचाने की बात करते दिखे।

एनसीसी कैडेट्स ने इको फ्रेंडली दीपावली मनाने की अपील

लखनऊ, संवाददाता। किसी उदास चेहरे पर मुस्कान आ जाए तो दिवाली है– इस भावना के साथ नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग द्वारा आज इको फ्रेंडली दीपावली मनाने के साथ–साथ स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग एवं वोकल फॉर लोकल के लिए अपील की गई। प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने कैडेट्स के प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें समाज के प्रति संवेदनशील होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम संयोजक एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी ने बताया कि विगत दो दशकों से अधिक समय से महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स पोस्टर, स्लोगन तथा व्यक्तिगत संवाद के माध्यम से जन सामान्य को इको फ्रेंडली दिवाली मनाने और वोकल फॉर लोकल की अपील कर रही हैं। पर्यावरण को बचाने का दायित्व हम सभी का है और हमारा एक सार्थक कदम एक नई सोच को पहल दे सकता है। कैडेट निकिता सिंह, प्रिया रावत, जूही मिश्रा, सुहानी, लक्ष्मी,श्वेता, अनुष्का, उरूज, इला,आराधना, वैष्णवी,अंशिका, आशी, स्वाती, रिया, विनीता, सुरुचि, मुस्कान, वंदना, अनन्या, निधि ,अलीशा, सिमरन, अंशिका , माही, प्रगति, दिव्या, इशी, सिद्धि, शुभी, नैंसी समेत बड़ी संख्या में कैडेट्स ने मिट्टी के दीयों को खूबसूरती से सजाया, जिसे उन्होंने छोटे दुकानदारों से खरीदाताकि वह और उनका परिवार भी दीपावली की खुशियां मना सकें ५ इसके अतिरिक्त बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट के अंतर्गत घर में पड़े अनुपयोगी सामान से खूबसूरत वंदनवार, झालर इत्यादि तैयार किए।

बसपा ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 88 प्रत्याशी घोषित किए, 40 स्टार प्रचारकों की सूची भी जारी की

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बृहस्पतिवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 88 प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। उन्होंने प्रचार के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची भी जारी की है। बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण के लिए नामांकन का अंतिम दिन है। बाकी प्रत्याशियों की सूची जल्द ही जारी की जाएगी। इसके एक दिन पहले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीति एनडीए से किनारा कर लिया है। यूपी सरकार में शामिल होने के बाद भी बिहार के चुनाव में सुभासपा ने बुधवार को पहले चरण में 47 विधानसभा सीटों पर अपने सिंबल पर प्रत्याशी उतार दिए हैं। पार्टी की ओर से उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी गई है और बृहस्पतिवार शाम को दूसरी सूची भी जारी करने की तैयारी है।

कुमारी अनु चौहान बनी एक दिन की जिला पंचायत अध्यक्ष

मुजफ्फरनगर। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत प्रधानमंत्री मा. नरेंद्र मोदी जी एवं प्रदेश के मुख्य मंत्री मा.योगी आदित्य नाथ जी की भावनाओं और कल्पनाओं की उड़ान को और ऊंचाई देते हुए आज कुमारी अनु चौहान को एक दिन के लिए जिला पंचायत अध्यक्षा की कुर्सी सौंपी गई ।जय हिंद पब्लिक स्कूल ग्राम पंचायत मजलिसपुर तोफिर की कक्षा 11 की छात्रा का आज जिला पंचायत कार्यालय पहुंचने पर अपर मुख्य अधिकारी योगेश कुमार और स्टेनो अक्षय शर्मा सहित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बुके भेंट कर ,माला पहनाकर स्वागत किया और वर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष डा वीरपाल निर्वाल ने कुमारी अनु चौहान को सम्मान पूर्वक कुर्सी पर बैठाया। डा निर्वाल ने कुमारी अनु चौहान को बुके , प्रतीक चिन्ह एवं उपहार देकर सम्मानित किया।

जिला पंचायत का दायित्व संभालने के उपरांत कुमारी अनु चौहान ने जिला पंचायत के सम्मानित सदस्यों अमित रावल, तरुण पाल ,सचिन करानिया ,वीरेंद्र उर्फ बिल्लू से परिचय प्राप्त किया तथा जिला पंचायत सभी कार्यरत अधिकारियों का

परिचय लिया ,जन समस्याओं को सुनकर जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक , जिला पंचायत अधिकारी एवं उपजिलाधिकारी सदर से वार्ता कर समाधान के लिए कहा।

उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से स्वास्थ्य शिविर एवं दवाई छिड़काव का भी अनुरोध किया ।कुमारी अनु चौहान ने कार्यालय परिसर का निरीक्षण किया तथा कर्मचारियों से संवाद किया ।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डा वीरपाल निर्वाल ने कहा कि नारी सशक्तिकरण की दिशा में सरकार के प्रयासों को आगे बढ़ाना सभी का दायित्व है ।अनु चौहान ने बताया कि वह भविष्य में वह डॉक्टर बन कर लोगों की सेवा करना चाहती है । इस मौके पर अपर मुख्य अधिकारी योगेश कुमार ,प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र कुमार शर्मा, स्टेनो अक्षय शर्मा, सुरेंद्र कुमार , श्रीमती राकेश , लिपिक श्रीमती प्रतिभा सहित जिला पंचायत सदस्यगण,चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, भाजपा से महेंद्र चौहान ,रामकुमार शर्मा, रविंद्र कुमार मिलकराम चौहान एवं अनु चौहन के पिता विधि सिंह चौहान उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब मुजफ्फरनगर 'गैलेक्सी' द्वारा दिवाली उत्सव का भव्य आयोजन

मुजफ्फरनगर। रोटरी क्लब मुजफ्फरनगर ष्गैलेक्सीष द्वारा कल गुप्ता रिजॉर्ट मुजफ्फरनगर में "दिवाली उत्सव" का भव्य आयोजन किया गया।

इस अवसर पर क्लब के च्तमेपकमदज रोटेरियन मनीष सिंघल एवं सेक्रेटरी रोटेरियन नीरज अग्रवाल ने सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया तथा दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम का संचालन व संयोजन पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन दीपक सूरी एवं ऐनी. रीतू मित्तल, ऐनी.अनीता शर्मा, ऐनी. श्वेता दुआ और ऐनी.रश्मि गर्ग द्वारा शानदार रूप से किया गया। कार्यक्रम में प्रभु श्री राम जी, श्री लक्ष्मण जी और माता सीता जी की झांकी ने सबका मन मोह लिया सभी सदस्य द्वारा प्रभु जी की आरती की गई।

तत्पश्चात अन्य कार्यक्रम जैसे डांडिया नृत्य, कपल डांस, कपल गेम्स, बच्चों के गेम,

और लकी ड्रॉ, जैसी मनोरंजक गतिविधियों ने सभी को उत्साहित किया। थीम में सजे धजे प्रतिभागियों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। सभी सदस्य भारतीय परिधान में ही उपस्थित हुए तथा सभी ने दीप प्रज्वलित कर दीपावली पर्व की एक दूसरे को बधाईयाँ दी।

कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष एवं सचिव द्वारा सभी को गिफ्ट प्रदान किया गया तथा सभी सदस्यों को रात्रि भोज पर आमंत्रित किया।

सम्मिलित रोटेरियन सदस्य में प्रमुख रूप से मनीष कुमार सिंघल (अध्यक्ष), नीरज अग्रवाल (सचिव), अविरल मित्तल (कोषाध्यक्ष), नीरज बंसल, नवीन सिंघल, प्रवीण मित्तल, अजय गर्ग, भारत भूषण गर्ग, संदीप दुआ, राजकुमार मित्तल, राजकुमार गुप्ता, मनोज शर्मा, विकास त्रिपाठी, पुनीत अग्रवाल, अमित गर्ग,अमित सिंघल, अमित कुमार,नितिन गुलाटी, राजेश गुरनानी, परिवार सहित सभी सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की सफलता पर सभी उपस्थित सदस्यों ने क्लब टीम को बधाई दी और इसी प्रकार सामाजिक एवं मनोरंजक गतिविधियों के निरंतर आयोजन की सराहना की।

आरेडिका ने स्वच्छता अभियान 5.0 के तहत साफ–सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता अभियान 5.0 के अन्तर्गत महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन को प्रभावी बनाने के लिए स्वच्छता पखवाडा के अन्तर्गत सिविल विभाग तथा विभिन्न विभागों के सहयोग से आवासीय परिसर, शॉपिंग कॉम्पलेक्स की दुकानों, अधिकारी विश्रामगृह गंधमादन, मंदार, वर्कर क्लव, केन्द्रीय विद्यालय, एडमिन कैंटीन, वर्कर कैंटीन, वर्कशॉप के सभी शॉपों में स्वच्छता कार्यक्रम चलाए जाए रहे हैं।

स्वच्छता पखवाडा के अन्तर्गत स्टोर विभाग द्वारा स्टोर स्थल की साफ–सफाई की और इंवेन्ट्री के सुरक्षित रख–रखाव को सुनिश्चित किया इसके साथ ही फिनिशिंग शॉप में गहन स्वच्छता कार्यक्रम चलाकर परिसर को स्वच्छ किया।

9 अक्टूबर 2025 को स्वच्छ आहार दिवस के उपलक्ष्य में अधिकारी विश्रामगृह की कैंटीन,शॉपिंग कॉम्पलेक्स की दुकानों, एडमिन कैंटीन, वर्कर

कैंटीन आदि का निरीक्षण किया तथा विक्रेताओं को व्यक्तिगत कूड़ा–कचरा के निस्तारण एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग से बचने की सलाह दी। अपने आस–पास के परिसर का साफ–सुथरा रखने के लिए जागरूक किया।

आरेडिका द्वारा स्वच्छता के प्रति ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरुक करने के लिए संबंधित कार्य–क्रम ,नुक्कड़ नाटक स्वच्छता सेल्फी आदि का सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म का उपयोग कर स्वच्छता के प्रति लागों को जागरुक करने के लिए प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।

मेयर बोलीं– फ्री शिक्षा और स्वास्थ्य से विकसित होगा लखनऊ, पार्षदों ने गिनाईं समस्याएं

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ नगर निगम में यूपी और लखनऊ को विकसित करने का सुझाव मेयर सुषमा खर्कवाल ने अधिकारियों और पार्षदों से नगर निगम में आयोजित कार्यक्रम में मांगा। इस दौरान पार्षदों ने खराब सीवर लाइन, टेलीकॉम कंपनियों द्वारा लगाई गई केबलों से बिजली के खंभे टेढ़े होने और जलकल विभाग की तरफ से टैक्स के लिए कैंप लगाने की मांग की। मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा–फ्री शिक्षा और स्वास्थ्य से लखनऊ विकसित होगा। इसके लिए सरकार से मांग भी करेंगे। मौके पर उन्होंने स्वच्छ पेयजल, शहर की सीवर लाइन सही करने, पब्लिक ट्रांसपोर्ट को सुधारने सहित ऑटो के अतिक्रमण के चलते सड़क पर लगने वाले जाम को सही करने की मांग की। उन्होंने बताया कि हम इसके लिए लगे हुए हैं, जिसके तहत विकसित उत्तर प्रदेश 2047 का संकल्प पूरा होगा।

हाइड्रेंजिया

(कुण्डलिया)

उपवन की शोभा बने, करे प्रकृति का काम।
अद्भुत क्लासिक फूल है, श्हाइड्रेंजियाश नाम।
श्हाइड्रेंजियाश नाम, गर्मियों में हैं खिलते।
छोटे–छोटे फूल, गुच्छ में हरदम रहते।
सुन लो कहें प्रदीप, खुशी का बनकर उदयन।
पंखुड़ियों को खोल,सुगंधित करता उपवन।।

प्रतिभा जिसकी बहुमुखी, आकर्षक है रूप।
उसकी हर इक पंखुड़ी, लगती बहुत अनूप।
लगती बहुत अनूप, धूप में हँसती गाती।
नाम 'हाइड्रेंजियाश, सभी के दिल को भाती।
सुन लो कहें प्रदीप,फूल है यह अति प्यारा।
जग जाहिर यह बात,बहुमुखी इसकी प्रतिभा।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

प्रतियोगिता में प्रथम आए अभय दीप प्रजापति

खैराबाद – सीतापुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान खैराबाद सीतापुर में आयोजित जनपद स्तरीय गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता में विजयी पांच छात्रों को डायट प्राचार्य / उप शिक्षा निदेशक डॉ महेन्द्र प्रताप सिंह ने शील्ड व प्रमाण पत्र देकर

सम्मानित किया। उच्च प्राथमिक विद्यालय डहेलिया श्री रंग (खैराबाद) के अभयदीप प्रजापति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर रहे उच्च प्राथमिक विद्यालय अशरफपुर (खैराबाद) के छात्र रेशुल जबकि तृतीय स्थान पर समान अंक प्राप्त करते हुए तीन छात्रों ने कब्जा किया जिनमें अनिकेत कुमार पूर्व माध्यमिक विद्यालय चतुरैया (महोली) ,अर्पित कुमार कंपोजिट विद्यालय दादबारा (हरगांव) तथा पूर्व माध्यमिक बर गावा (पिसावा) के छात्र समर प्रताप सिंह। नोडल अधिकारी / प्रवक्ता गणित श्रीमती मनीषा ने बताया कि प्रदेश स्तर पर होने वाले गणित ओलंपियाड में उपरोक्त विजयी छात्र जनपद सीतापुर का प्रतिनिधित्व करेंगे।

ई बस चालकों की हड़ताल, बोनस और नियमित सैलरी न मिलने पर भड़के कर्मचारी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में ई बस सेवा ठप हो गई है। बोनस और वेतन न मिलने से नाराज सिटी ईदृबस संचालक गुरुवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। लखनऊ के दुबग्गा डिपो में तैनात 252 चालक परिचालक और 92 अन्य कर्मचारी, कुल 344 कर्मियों ने प्रदर्शन करते हुए कार्य का बहिष्कार किया। कर्मचारियों का आरोप है कि दीपावली बोनस और नियमित सैलरी कई महीनों से नहीं दी जा रही है। साथ ही कंपनी बदले जाने से वेतन में कटौती की गई है, जिससे उन्हें

भारी आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ड्राइवर सुधीर यादव ने बताया कि अगस्त 2025 से अब तक कर्मचारियों को न तो भोजन भत्ता मिला, न ही सिंगल ड्यूटी सिस्टम लागू हुआ। पहले उन्हें 13,000 रुपए वेतन दिया जाता था, लेकिन नई कंपनी हंसा मोबिलिटी ने यह घटाकर 7,000 रुपए कर दिया है। कर्मचारियों का कहना है कि बिना पूर्व सूचना के पुरानी कंपनी एबोल्ट मोबिलिटी को हटाकर नई कंपनी को संचालन सौंप दिया गया।

सम्पादकीय.....

बीमार भविष्य की नींव

यह आंकड़ा हमारे शिक्षा तंत्र की विफलता को दर्शाता है कि एक लाख से अधिक स्कूलों की पढ़ाई सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रही है। एक स्कूल की सारी कक्षाओं को एक शिक्षक कैसे पढ़ाता होगा? छात्र–छात्राएं कैसी और कितनी शिक्षा ग्रहण कर पाते होंगे, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। शिक्षा मंत्रालय के हालिया आंकड़े बताते हैं कि शैक्षणिक वर्ष 2024–25 में एक लाख चार हजार स्कूल ऐसे थे, जो केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। इन स्कूलों में करीब पौने चौंतीस लाख विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। बताया जाता है कि आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा थी, जबकि उसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। एक तो हमारे देश में शिक्षा का बजट पहले ही बहुत कम है, फिर उस धन का सही उपयोग नहीं हो पाता। इसमें दो राय नहीं कि प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के गिरते स्तर के मूल में हमारे नीति–नियंताओं की अनदेखी ही प्रमुख कारक है। आखिर हम अपने नौनिहालों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं? आखिर उनके बेहतर भविष्य की हम कैसे उम्मीद करें? जाहिर बात है कि एक शिक्षक सामाजिक विषय, भाषा, विज्ञान, अंग्रेजी और गणित में माहिर नहीं हो सकता। एक शिक्षक छात्रों की हाजिरी दर्ज करेगा या पढ़ाई कराएगा? शिक्षा का मतलब छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्हें पढ़ाई के साथ पाठ्यसहगामी क्रियाओं का भी ज्ञान दिया जाना जरूरी होता है। लेकिन जब स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक ही नहीं होंगे तो किताबी पढ़ाई कैसी होगी, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। स्कूल में सिर्फ पढ़ाई ही महत्वपूर्ण नहीं होती। बच्चों का शारीरिक विकास पूरी तरह हो, उसके लिए खेल, पीटी और योग जैसी कक्षाओं की सख्त जरूरत होती है। लेकिन जब शिक्षक ही पर्याप्त नहीं होंगे तो शिक्षा के साथ चलने वाली गतिविधियों की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती है। निस्संदेह, हम छात्रों के बीमार भविष्य की बुनियाद ही रख रहे हैं। सही मायनों में स्कूलों का शिक्षकों की कमी से जूझना शिक्षा विभाग की नाकामी को ही दर्शाता है। यह हमारे सत्ताधीशों की संवेदनहीनता का भी पर्याय है। शिक्षकों की नियुक्ति में जिस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के मामले विभिन्न राज्यों में सामने आए हैं, उससे शिक्षा विभाग की प्रदूषित कार्य संस्कृति का बोध होता है। आखिर क्या वजह है कि देश में प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त संख्या होने के बावजूद स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। यह स्थिति हमारे तंत्र की विफलता को ही उजागर करती है। एक समस्या यह भी है कि शिक्षक जटिल भौगोलिक स्थितियों वाले स्कूलों में काम करने से कतराते हैं। यदि इन स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति हो भी जाती है तो वे दुर्गम से सुगम स्कूलों में अपना तबादला ज्वाइन करने के तुरंत बाद करवा लेते हैं। जिसमें राजनीतिक हस्तक्षेप से लेकर विभागीय लेन–देन की भी शिकायत होती रहती है। यही वजह है कि शहरों व आसपास के इलाकों में स्थित स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती जरूरत से ज्यादा भी देखी जाती है। कैसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि सड़कों पर बेरोजगारों की लाइन लगी हैं और स्कूलों में शिक्षकों के लाखों पद खाली हैं। बताया जाता है कि माध्यमिक व प्राथमिक विद्यालयों में करीब साढ़े आठ लाख शिक्षकों के पद खाली हैं। इसके बावजूद कि हमारे यहां प्रशिक्षित शिक्षकों की कोई कमी नहीं है। कहने को तो हमारे गाल बजाते नेता भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश कहते इतराते हैं, लेकिन इन नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि कुंठित होती युवा पीढ़ी के लिये उन्होंने क्या खास किया है? नौकरियों की भर्ती निकलती नहीं है। निकलती है तो पेपर आउट होने की खबरें आती हैं। सालों–साल उनके परिणाम नहीं निकलते। यदि परिणाम निकले भी तो फिर धांधली के आरोप लगने लग जाते हैं। फिर मामला वर्षों तक अदालतों में डोलता रहता है। विडंबना यह भी है कि आज सरकारी स्कूलों में गरीब व कमजोर वर्गों के बच्चे ज्यादा भर्ती होते हैं, इसलिए इन स्कूलों की तरफ कोई ध्यान नहीं देता।

जदयू के भविष्य पर सवाल

डॉ. दीपक पाचपोर

अटल बिहारी वाजपेयी के काल की भाजपा में ऐसा नहीं था, तब क्षेत्रीय दलों का अपना रसूख और जगह बरकरार थे। अब मोदी–शाह युग की भाजपा है। जिसमें हर हाल में बड़ा भाई भाजपा को ही रहना है।

2005 से नीतीश कुमार के नेतृत्व में जदयू सत्ता में बना हुआ है, बीच में थोड़े अंतराल के लिए नीतीश सरकार हटी, लेकिन फिर भी दो दशकों से बिहार की राजनीति जदयू और नीतीश कुमार के इर्द–गिर्द ही घूम रही है। इससे पहले लालू प्रसाद लंबे वक्त बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे और वे अब भी प्रासंगिक बने हुए हैं। तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल ने 2020 के चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें नीतीश कुमार ही पिछड़ गए थे। अगर भाजपा का साथ नहीं होता तो शायद नीतीश कु मार को सत्ता भी नहीं मिलती। तेजस्वी यादव अब भी जदयू और भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं। चुनाव में चाहे राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन की हार हो या जीत हो, लालू यादव और तेजस्वी यादव हर हाल में प्रासंगिक बने रहेंगे, क्योंकि भाजपा के खिलाफ वे मजबूती से डटे हैं। जबकि नीतीश कुमार भाजपा के आगे इतना झुक चुके हैं कि अब धराशायी होने के ही आसार उनके लिए बने हैं। भाजपा का इतिहास भी इसकी गवाही देता है कि जो क्षेत्रीय दल उसके मुकाबले मजबूत होता है, उसे गठबंधन में साथ लेकर भाजपा पहले उसे कमजोर करती है, न कर पाए तो उसे भीतर से तोड़ती है, या फिर उसका विलय कर लेती है। किसी भी तरह गठबंधन के दल इतने ताकतवर न हो पाएं कि वे अपनी शर्तें भाजपा के सामने रखें, ऐसी रणनीति पार्टी की रहती है। अटल बिहारी वाजपेयी के काल की भाजपा में ऐसा नहीं था, तब क्षेत्रीय दलों का अपना रसूख और जगह बरकरार थे। अब मोदी–शाह युग की भाजपा है। जिसमें हर हाल में बड़ा भाई भाजपा को ही रहना है। बिहार में पिछले 20 सालों से भाजपा बड़ा भाई बनने का मौका देख रही थी। अब जबकि नीतीश कुमार शारीरिक तौर पर कमजोर हो चुके हैं, जदयू में शरद यादव के कद का कोई दूसरा नेता नहीं है, जो नीतीश कुमार को सही सलाह दे सके, नीतीश के बेटे निशांत कुमार सक्रिय राजनीति में नहीं हैं और राज्य में भाजपा का प्रभाव वाला प्रशासन चल रहा है, ऐसे में नीतीश कुमार को राजनैतिक तौर पर कमजोर करने का मौका भाजपा के हाथ लगा। इस बार सीट बंटवारे में जदयू और भाजपा दोनों ही 101–101 सीट पर चुनाव लड़ेंगी। जबकि चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास) 29 सीटों पर, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा छह–छह सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। पिछले चुनाव में जदयू ने 115 सीटों और भाजपा ने 110 सीटों पर चुनाव लड़ा था। कम सीटों पर नीतीश कुमार का मान जाना खुद जदयू के नेताओं के लिए झटका है, उनके लिए बड़े भाई या छोटे भाई बनने से बड़ा सवाल ये है कि अब जदयू बचेगा या नहीं? सीट शेयरिंग में भाजपा के अलावा केवल चिराग पासवान ही जीते हुए नजर आ रहे हैं, जिन्होंने 30 सीटें मांगी थी और 29 मिल गई हैं। दरअसल चिराग पासवान इस बार बिहार में कई महीनों से तल्ख तेवर अपनाए हुए थे। नीतीश सरकार के कामकाज और राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था का सवाल वो उठाते रहे और बीच–बीच में आम सभाएं कर अपनी ताकत मोदी को दिखाते रहे। मोदी को भी अभी ऐसे युवा नेताओं की दरकार है, जो राहुल या तेजस्वी के सामने खड़े हो सकें। चिराग ने पिछले चुनाव में अकेले 135 सीट पर चुनाव लड़ा था और सिर्फ एक सीट पर जीत दर्ज की थी, वो विधायक भी बाद में जदयू में शामिल हो गए। इस तरह चिराग के पास सीटें एक भी नहीं हैं, लेकिन लोकसभा में उनके पांच सांसद हैं और अभी उन्हें अपने चाचा को कमजोर करते हुए लोजपा के दूसरे गुट को खत्म करके एकछत्र राज भी करना है। इसलिए उन्हें भाजपा की जरूरत है और भाजपा को उनकी। हालांकि चिराग पासवान को अन्य घटक दलों के हालात देखकर इतना सावधान रहना चाहिए कि कल को उनका हश्र भी शिवसेना, अकाली दल जैसा न हो जाए।वैसे जीतन राम मांझी की श्हमश को भी बीते विधानसभा चुनाव से एक सीट कम मिली, पिछली बार सात सीटों पर मांझी ने उम्मीदवार खड़े किए थे, इस बार वो छह सीटों पर लड़ेंगे। इस बात से वो नाखुश हैं, लेकिन शायद भाजपा के सामने इन्होंने भी हथियार डाल दिए हैं। आरएलएम के उपेन्द्र कुशवाहा का भी यही हाल है। लेकिन इन सबकी स्थिति सत्ता में मामूली भागीदारी की ही रही है, जबकि नीतीश कुमार की स्थिति सत्ता पर काबिज होने वाली थी, जो अब शायद न रहे। एनडीए अगर जीतेगा तब भी नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बन पाएंगे, इसकी संभावनाएं कम हैं। इसी साल फरवरी में मंत्रिमंडल विस्तार में जदयू के एक भी नेता को जगह नहीं मिली, सारे नेता भाजपा के ही थे। उस वक्त खुद को तसल्ली और मीडिया के सवालों को शांत करने के लिए जदयू के प्रवक्ता बार–बार दोहराते थे कि पार्टी विधानसभा चुनावों में भाजपा से ज़्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, चाहे एक ही सीट ज़्यादा क्यों न हो। लेकिन अभी तो बराबरी का झुनझुना जदयू को पकड़ाया गया है। वैसे जदयू के बड़े भाई का ओहदा 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान ही चला गया था, तब जदयू 16 सीटों पर लड़ी थी, और भाजपा 17 सीटों पर। जबकि 2019 में जदयू और भाजपा दोनों ही 17–17 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। और 2009 में जदयू बिहार में लोकसभा की कुल 40 सीट में से 25 सीट लड़ी थी और भाजपा ने 15 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। लेकिन वह जदयू की मजबूती का दौर था। और अब भाजपा से हाथ मिलाकर जदयू ने अपनी सारी शक्ति उसे सौंप दी है। नीतीश कुमार ने तो सत्ता का सेवन छक कर किया है, मगर अब उनके साथी, कार्यकर्ता सब अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। भाजपा से दोस्ती और वफादारी का यही हासिल है।

इस्राइल–हमास युद्धविराम: आशा की किरण या अस्थायी विराम?

ललित गर्ग

गाज़ा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध–विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन–चौन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं। यदि सब कुछ ठीक–ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा। गाज़ा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट्र या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल–कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल–हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है। एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक 'आशा की किरण' बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की "कूटनीति की जीत" से अधिक, मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके, युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाज़ा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ–पानी, भोजन, दवा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते, तब तक शांति केवल कागज़ों पर दर्ज रहेगी। वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय, दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं, बल्कि हृदयों का परिवर्तन है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था, तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था, पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया, बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए। यह मानने के अच्छे–भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाईं, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए, जिसमें राजनीतिक समाधान, मानवीय सहायता और संवाद–तीनों को समान महत्व मिले। गाज़ा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे, जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे, जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि गाज़ा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है। हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि–राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए । हमास को अपनी छवि सुधारने की चिंता करनी चाहिए, अगर उस पर यकीन किया गया है, तो उसे खरा उतरना होगा। गाजा में किसी भी सूरत में हिंसा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज यह युद्धविराम भले ही 'एक आशा की किरण' बना हो, परंतु उसे स्थायी प्रकाश में बदलना विश्व समुदाय के विवेक, संवेदनशीलता और सतत प्रयास पर निर्भर करता है।

लद्दाख राजनीति नहीं, राष्ट्रनीति का विषय

राज कुमार सिंह

विज्ञान, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में नवाचार के लिए दुनिया में सम्मानित सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एन.एस.ए.) में गिरफ्तारी पर तो सर्वोच्च न्यायालय सुनवाई करेगा ही, लेकिन प्राकृतिक सौंदर्य के लिए चर्चित और रणनीतिक रूप से संवेदनशील लद्दाख की अशांति गंभीर चिंता का विषय है। वांगचुक अपने ही देश में नायक से खलनायक बन गए हैं। 2009 की लोकप्रिय फिल्म 'थ्री ईडियट्स' उन्हीं से प्रेरित थी। लद्दाख को राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर 5 साल से जारी आंदोलन में 24 सितंबर को भड़की हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए 2 दिन बाद गिरफ्तार कर वांगचुक को जोधपुर जेल भेज दिया गया। एक के बाद एक हमारे सीमावर्ती क्षेत्र अशांति के शिकार हो रहे हैं। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरनाक है। असंतोष देर–सवेर अलगाव की भावना का कारण बनता है या निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा बना दिया जाता है। 1947 में विभाजन के साथ मिली आजादी के बाद पाकिस्तानी कबाइलियों ने घुसपैठ की साजिश लद्दाख की ओर से ही रची थी। भारतीय सेना ने पाक घुसपैठियों को खदेड़ कर द्रास, कारगिल और लद्दाख को मुक्त कराया था। चीन ने भी 1949 में नुब्रा घाटी और शिनजियांग के पुराने व्यापारिक मार्ग को बंद कर 1955 में शिनजियांग और तिब्बत को जोडने के लिए सड़क निर्माण शुरू किया। बाद में चीन ने पाकिस्तान के लिए कराकोरम हाईवे भी बनाया। जलवायु संरक्षण के लिए अपरिहार्य लेह–लद्दाख भारत की सुरक्षा के लिए भी संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। टैरिफ वॉर पर अमरीका से तनातनी के बीच चीन से फिर पींगें बढ़ाने की कूटनीति में उसके विश्वासघाती चरित्र को भुला देना आत्मघाती हो सकता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भी चीन पूरी तरह पाकिस्तान के

साथ यानी भारत के विरुद्ध खड़ा था। पर्यटन पर निर्भर आजीविका वाले लद्दाखी मेहमाननवाजी से ले कर राष्ट्रभक्ति तक तमाम सकारात्मक चीजों के लिए जाने जाते हैं। वे पर्यावरण के संरक्षण के लिए समध्पत और निरंतर प्रयासरत भी हैं। हाल के दशकों में लद्दाख में विज्ञान, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में तमाम नवाचार के नायक सोनम वांगचुक रहे हैं। उन्होंने सेना के लिए माइनस डिग्री तापमान में आराम से रहने–सोने के लिए विशेष टैंट बनाए, तो जल संरक्षण के लिए कृत्रिम ग्लेशियर का प्रयोग भी किया। इधर विदेशी पुरस्कारों–सम्मानों को भारत विरोधी साजिशों से जोड़ कर देखने–दिखाने की प्रवृत्ति बढ़ी है लेकिन अगर खुलासे किसी आंदोलन–अनशन के बाद किए जाएं तो उनकी विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगते हैं। 2019 में जब नरेंद्र मोदी सरकार ने विशेष दर्जा देने वाली धारा–370 हटाते हुए जम्मू–कश्मीर को दो केंद्रशासित क्षेत्रों– जम्मू–कश्मीर तथा लद्दाख में विभाजित किया, तब वहां से समर्थन में उठने वाली (भाजपा के अलावा) सबसे मुखर आवाज सोनम वांगचुक की ही थी। शायद इसलिए भी कि जम्मू–कश्मीर की सत्ता–राजनीति में लद्दाख की आवाज अक्सर अनसुनी ही रही। संविधान के अनुच्छेद 244 (2) के तहत छठी अनुसूची में जनजातीय क्षेत्रों के लिए स्वायत्त जिलों और स्वायत्त क्षेत्रों के रूप में विशेष प्रशासनिक ढांचे का प्रावधान है। इस ढांचे को सामाजिक रीति–रिवाज, उत्तराधिकार के अलावा भूमि और जंगल संरक्षण के लिए कानून बनाने का अधिकार है। पांच साल से लेह एपैक्स बॉडी और कारगिल डैमोक्रेटिक एलायंस के बैनर तले शांतिपूर्ण आंदोलन की मुख्य मांग विधानसभा के साथ पूर्ण राज्य का दर्जा और संविधान की छठी सूची में शामिल करने की ही है। लेह से दिल्ली तक 1000 किलोमीटर का पैदल मार्च तथा 5 बार अनशन बताता है कि आंदोलन मूलतरू गांधीवादी और शांतिपूर्ण चरित्र का ही रहा। फिर अचानक हिंसा किसने भड़काई? इस सवाल के जवाब के लिए राजनीति से ले कर राष्ट्रीय सुरक्षा तक, हर कोण से विश्वसनीय जांच की जरूरत है। हिंसा की न्यायिक जांच उस दिशा में पहला कदम हो सकती है। बेशक विपक्ष को लद्दाख में प्रतिनिधिमंडल भेजने का अधिकार है, पर ऐसे संवेदशनशील मामले राजनीति नहीं, राष्ट्रनीति के विषय होने चाहिएं। जम्मू–कश्मीर का अंग रहते धारा–370 के तहत लद्दाख में भी बाहरी लोगों के जमीन खरीदने और सरकारी नौकरी करने पर प्रतिबंध था। लद्दाखियों का आरोप है कि 2019 के बाद बाहरी लोगों द्वारा जमीन की खरीद–फरोख्त का खेल शुरू हो गया है और पर्यावरणीय संवेदनशीलता को ताक पर रख विकास की वैसी ही परियोजनाएं बनाई जा रही हैं, जो उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश सरीखे पर्वतीय राज्यों में विनाशकारी परिणाम दे रही हैं। लद्दाख की भौगोलिक, रणनीतिक और पर्यावरणीय संवेदनशीलता का तकाजा है कि निवासियों को विश्वास में लेकर उनकी जायज ड्क्षचताओं का स्वीकार्य समाधान निकाला जाए।

दोस्त के लिए सलमान खान ने किया रैंप वॉक, ऐश्वर्या की सास के आगे इतराकर चले भाईजान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान, मशहूर डिजाइनर विक्रम फडनीस के लिए शोस्टॉपर बने। विक्रम फडनीस ने मुंबई में अपने नए कलेक्शन अनंता के भव्य प्रदर्शन के साथ फैशन और सिनेमा में 35 साल पूरे होने का जश्न मनाया। सुपरस्टार काले रंग की कढ़ाई वाली शेरवानी में काफी हैंडसम लग रहे थे। इस रैंप वॉक की खास बात यह थी कि सलमान के ठीक सामने उनकी एक्स गर्लफ्रेंड ऐश्वर्या की सास और ननद बैठी थी। खान ने अपनी सहज शैली और प्रभावशाली उपस्थिति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कढ़ाई वाली काली शेरवानी पहने, उन्होंने क्लास और करिश्मा दोनों को दर्शाया। सलमान अपने खास अंदाज में रैंप पर छाए रहे और आत्मविश्वास से लबरेज दिखे, और दर्शक उनके लिए हूटिंग करने से खुद को नहीं रोक पाए। जबसलमान रैंप पर वॉक कर रहे थे तो सामने ऑडियंस में जया बच्चन और श्वेता बच्चन बैठी थीं। फडनीस के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए, सलमान ने एक बयान में कहा–मैं विक्रम को सालों से जानता हूं, वह मेरी कई फिल्मों और ढेर सारी यादों का हिस्सा रहे हैं। उन्हें 35 साल पूरे करते देखना और इस जश्न का हिस्सा बनना वाकई खास है।ष विक्रम ने अपने इस खास शो के लिए श्दबंगश स्टार के साथ सहयोग के बारे में भी बात की और कहा–ये 35 साल सिर्फ फैशन के बारे में नहीं हैं, बल्कि उन लोगों और उस सफर के बारे में हैं जिन्होंने मुझे आकार दिया। आज रात सलमान का रैंप पर चलना इसे और भी खास बना गया। वह शुरू से ही फिल्मों, फैशन और दोस्ती के जरिए मेरी कहानी का हिस्सा रहे हैं। अनंत, जिसका मतलब है अंतहीन, हर अध्याय, हर सहयोग और कभी न खत्म होने वाली रचनात्मकता की भावना का सम्मान करने का मेरा तरीका है। इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले सेलेब्स में रितेश देशमुख, जेनेलिया देशमुख, सुष्मिता सेन बिपाशा बशु, दिव्या दत्ता, करिश्मा तन्ना, रोनित रॉय, शालिनी पासी, तापसी पन्नू, अतुल अग्निगोत्री, अलवीरा अग्निहोत्रा, अलिजेह अग्निहोत्री, ईशा देओल, सुनील शेट्टी, सोनाक्षी सिन्हा, जहीर इकबाल, नुसरत भरूचा, मलायका अरोड़ा, चंकी पांडे, कबीर खान, सिकंदर खेर, सुजैन शामिल हुई।

> “ सलमान अपने खास अंदाज में रैंप पर छाए रहे और आत्मविश्वास से लबरेज दिखे, और दर्शक उनके लिए हूटिंग करने से खुद को नहीं रोक पाए। जबसलमान रैंप पर वॉक कर रहे थे तो सामने ऑडियंस में जया बच्चन और श्वेता बच्चन बैठी थीं।

महाभारत की ‘द्रौपदी’ रूपा गांगुली का छलका दर्द, दिवंगत पंकज धीर के लिए हुई भावुक

बीआर चोपड़ा की महाभारत (1988–1990) में प्रतिष्ठित द्रौपदी का किरदार निभाने वाली रूपा गांगुली ने एनडीटीवी के साथ एक खास बातचीत में अपने सह–कलाकार पंकज धीर को याद किया। एनडीटीवी द्वारा उनसे संपर्क करने से कुछ मिनट पहले ही उन्हें यह खबर एक अन्य सह–कलाकार नितीश भारद्वाज (जिन्होंने शो में भगवान कृष्ण की भूमिका निभाई थी) से मिली। पंकज धीर के निधन की खबर सुनकर एनडीटीवी से रूपा गांगुली के पहले शब्द थे, ष्मैं सोच भी नहीं सकती कि वह हमें इस उम्र में छोड़कर चले गए। मुझे यह सुनकर बहुत दुख हुआ। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या कहूँ। रूपा ने यह खबर मिलने के तुरंत बाद कहा, जो उन्हें सबसे पहले महाभारत के उनके सह–कलाकार नितीश भारद्वाज से मिली थी। सूत्रों के अनुसार, पंकज धीर का निधन कैंसर से हुआ। इस बारे में पूछे जाने पर, रूपा गांगुली ने कहा कि उन्हें अभिनेता की बीमारी के बारे में पता नहीं था। रूपा गांगुली रो पड़ीं और बोलीं, ष्मैंने उनसे लगभग एक साल पहले मैसेज पर बात की थी। लेकिन उन्होंने मुझे अपनी बीमारी के बारे में कभी नहीं बताया। हालांकि रूपा एक साल पहले से ही पंकज के साथ टेक्स्ट मैसेज के ज़रिए संपर्क में थीं, उन्होंने पुष्टि की कि उन्होंने अपनी बीमारी के बारे में उन्हें कभी नहीं बताया था। इस खुलासे ने उन्हें झकझोर कर रख दिया और वे भावुक हो गईं।

रूपा ने महाभारत के सेट की प्यारी यादें ताज़ा कीं

सेट पर बिताए समय को याद करते हुए, रूपा ने याद किया कि कैसे पंकज शांत और गरिमापूर्ण तरीके से पेश आते थे। उन्होंने कहा, ष्पंकज धीर नितीश भारद्वाज के बाद सेट पर सबसे हैंडसम आदमी थे। मैं उन्हें मैसेज भेजकर उन्हें श्मेरा सबसे हैंडसम दोस्तश कहती थी।ष उन्हें पता था कि लोग उन्हें श्सुंदरश कहते हैं। लेकिन वह बहुत ही शिष्ट और मृदुभाषी सज्जन हैं। पुनीत इस्सर (जिन्होंने दुर्योधन का किरदार निभाया था) और फिरोज खान (जिन्होंने अर्जुन का किरदार निभाया था) थोड़े चंचल (चुलबुले) थे। लेकिन पंकज हमेशा से ही एक संकोची इंसान रहे हैं।

रूपा गांगुली का अभिनय करियर

58 वर्षीय अभिनेत्री रूपा गांगुली ने अपने अब तक के अभिनय करियर में कई समीक्षकों द्वारा प्रशंसित टेलीविजन शो और फिल्मों में काम किया है। उनके उल्लेखनीय अभिनय में श्महाभारतश (1988–1990), श्बर्फी!श, श्क्रांतिकालश और श्एट द एंड ऑफ इट ऑलश शामिल हैं। आईएमडीबी पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वह हाल ही में बंगाली एक्शन फिल्म श्रघु डाकूश में अनिर्बान भट्टाचार्य, सोहिनी सरकार और अन्य के साथ नजर आई थीं।

आलिया भट्ट ने परिणीति चोपड़ा को दिया मॉम गिफ्ट, वायरल हो रही ‘शुक्रिया मम्मा!’ वाली प्यारी पोस्ट!

बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपने प्रेग्नेंसी के खूबसूरत फेज का आनंद ले रही हैं। सोशल मीडिया पर वह अक्सर अपनी जिंदगी के खास पलों की झलकियां साझा करती नजर आती हैं। वहीं उनकी करीबी दोस्त और अभिनेत्री आलिया भट्ट ने परिणीति के लिए एक खास तोहफा भेजा है, जिसे देखकर फैंस भी बेहद खुश हुए हैं। परिणीति ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर यह बताया कि आलिया ने अपने ब्रांड म्क–—डंउउं से एक खास मैटरनिटी हैम्पर उन्हें भेजा है। यह ब्रांड खासतौर पर माताओं और बच्चों की देखभाल से जुड़ी जरूरतों पर केंद्रित है। परिणीति ने आलिया के इस प्यार भरे तोहफे के लिए इंस्टाग्राम पर लिखा, शुक्रिया, मम्मा! यह खूबसूरत पल सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है और फैंस भी आलिया के इस कदम की जमकर सराहना कर रहे हैं। आलिया भट्ट और परिणीति चोपड़ा के बीच गहरी दोस्ती है, जो उनके करियर के शुरुआती दौर से चली आ रही है। दोनों ने लगभग एक ही समय पर फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था और तब से उनकी दोस्ती मजबूत होती गई। अब जब परिणीति मां बनने वाली हैं और आलिया पहले से ही अपनी बेटी राहा की मां हैं, तो यह तोहफा उनकी दोस्ती और ममता को दर्शाता है। इस साल अगस्त में परिणीति और उनके पति राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी की खबर साझा की थी। उन्होंने एक केक की तस्वीर शेयर की थी जिसपर लिखा था, 11=3 इसके साथ ही उन्होंने एक वीडियो भी पोस्ट किया था जिसमें परिणीति अपने पति का हाथ थामे पार्क में टहलती नजर आ रही थीं। इस पोस्ट ने फैंस और बॉलीवुड सेलेब्स के बीच खुशी की लहर दौड़ा दी थी।

रणवीर सिंह के अगले बड़े प्रोजेक्ट से सामने आया शानदार लुक

रणवीर सिंह ने अभी–अभी अपनी अब तक की सबसे जबरदस्त लुक से पर्दा उठा दिया है। यह एक ऐसी झलक है जो ताकत, मकसद और जोश से रूबरू करते हुए उसका एहसास दिला रही है। इस जबरदस्त लुक में वह पूरा फाइट गियर पहने, आंखें सीधी और पक्की रखे हुए, वह हर तरह से उस काम पर जाने वाले शख्स लग रहे हैं, जो जंग के लिए पूरी तरह से फोकस्ड, निडर और तैयार है। यहाँ रणवीर में असलीपन दिख रहा है, कोई दिखावा नहीं, कोई नाटक नहीं, बस जोश और भरोसा। यही वह रणवीर हैं जिन्हें दर्शक देखने के लिए इंतजार कर रहे थे, पूरी तरफ से बेबाक, आजाद और पूरी तरह अपने आप पर मजबूत। यह सिर्फ एक नया लुक नहीं है, बल्कि कुछ बड़ा शुरू होने जैसा लग रहा है। एक दुनिया जो धीरे–धीरे आकार ले रही है, जिसमें पहले ही बॉबी देओल और श्रीलीला शामिल हैं, और दर्शकों के लिए नए कनेक्शंस और घटनाओं की ओर इशारा कर रहे हैं, जिन्हें वे अब समझना शुरू कर रहे हैं। हिम्मत, तनाव, माहौल! सब कुछ एक बड़ी और महत्वाकांक्षी दुनिया की ओर इशारा करता है। कुछ बड़ा आने वाला है, और यह पहला लुक बस उसकी चिंगारी है। ऐसे ने अब बस एक सवाल बचता है और वो यह हुआ कि यह इंटरनेट पर कितने समय में धूम मचाने वाला है?

बिग बॉस 19 की प्रतियोगी तान्या मित्तल पर धोखाधड़ी का आरोप दर्ज, गिरफ्तारी की मांग तेज

बिग बॉस 19 के अंदर हर दिन कुछ नया हो रहा है, वहीं घर के बाहर भी कुछ न कुछ नया होता रहता है, और हमारे पास लगातार कई जानकारियाँ आ रही हैं। और अब, ऐसा लग रहा है कि तान्या मित्तल एक बार फिर सुर्खियों में हैं, क्योंकि इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। हालांकि यह एक ऐसी बात बन गई है जिसके बारे में हर कोई बात कर रहा है, आइए इस पर और उनके अन्य विवादों पर नज़र डालते हैं जिनके बारे में बात होती रहती है। आध्यात्मिक इन्फ्लुएंसर तान्या मित्तल बिग बॉस 19 के घर में आने के बाद से ही चर्चा में हैं। वह रियलिटी टेलीविजन शो में किए गए अपने दावों के कारण सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में, मुंबई के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने ग्वालियर एसएसपी कार्यालय में तान्या मित्तल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। फैजान का आरोप है कि तान्या मित्तल ने लोगों के पैसे ठगे और अपने प्रेमी बलराज को जेल भी भिजवा दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि तान्या मित्तल ने बिग बॉस 19 में अपने परिवार और निजी जीवन के बारे में झूठ बोला था। फ़ैज़ान ने एफआईआर दर्ज होने के बाद उनकी गिरफ़्तारी की मांग की है। समाचार एजेंसी एएनआई को दिए गए एक बयान में, फ़ैज़ान ने आरोप लगाया है कि तान्या मित्तल ने कई सालों तक बलराज को डेट किया, उसे धोखा दिया और उसके साथ विश्वासघात किया। उसकी वजह से बलराज अब जेल में है। फ़ैज़ान ने मांग की कि उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि तान्या मित्तल की वजह से एक निर्दोष व्यक्ति इस समय जेल में है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फ़ैज़ान ने मुंबई से आकर ग्वालियर के एसएसपी को एक लिखित शिकायत दी, जिसमें तान्या मित्तल से जुड़ी कई सच्चाइयाँ शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि महाराष्ट्र और देश के अन्य हिस्सों के लोग तान्या मित्तल की सच्चाई जानते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से ग्वालियर के लोग इससे अनजान हैं। फैज़ान ने यह भी कहा, ष्तान्या मित्तल प्रभावशाली समुदाय का नाम खराब कर रही हैं। हम महाराष्ट्र से आते हैं और जब भी ग्वालियर का नाम सुनते हैं, तो हमें सिंधिया जैसे लोग याद आते हैं। यह शहर बड़ा हो रहा है और अब इसकी तुलना महानगरों से की जा रही है। लेकिन तान्या मित्तल जैसी लड़की अपने घर को बिग बॉस 19 से भी बड़ा बताकर ग्वालियर का नाम बदनाम कर रही है। 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद, तान्या तब चर्चा में आईं जब उन्होंने कहा कि उनका मानना घ्है कि श्आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होताश और वह इस मुद्दे पर कुछ नहीं कहना चाहतीं क्योंकि यह गंभीर है। बाद में, मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग ने स्पष्टीकरण जारी किया कि वह कभी उनकी ब्रांड एंबेसडर नहीं थीं, जबकि तान्या के इंस्टाग्राम बायो में इसका ज़िक्र था। बाद में, हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत के दौरान, उन्होंने पूरे विवाद पर बात की और कहा कि उन पर इस पूरे मामले का कोई असर नहीं पड़ा और वह 48 घंटे बाद भी यात्रा कर रही थीं और वीडियो बना रही थीं। उन्होंने कहा था, षकिसी ने मेरे बारे में कुछ कहा और उन्हें लगा कि मैं मिसफिट हूँ। क्या उनके कहने से वे इस बात से इनकार कर सकते हैं कि हम 8 महीने साथ काम कर रहे थे? उन्होंने बस यही साबित कर दिया कि मुश्किल समय में कोई भी एक–दूसरे के साथ खड़ा नहीं होता। और मुझे बहुत खुशी है कि उन्होंने मुझे छोड़ दिया क्योंकि अब हम दूसरे राज्यों में भी ज़्यादा व्यस्त हैं। तो क्या कोई मुझे रोक रहा है? खैर, ऐसा लग रहा है कि उन्होंने घर के अंदर और बाहर, दोनों जगह ध्यान खींचा है, और बस इतना ही है।

सुबह उठते ही होंठ फटे-फटे लगते हैं? बस रात में सोने से पहले करें ये केयर!

जब भी स्किन केयर की बात आती है, अक्सर हम सिर्फ चेहरे और गर्दन पर ध्यान देते हैं और होंठों को भूल जाते हैं। लेकिन दिनभर धूल–मिट्टी, धूप और लिपस्टिक होंठों पर असर डालती हैं, जिससे वे सूखे, फीके और फटे लगने लगते हैं। इसलिए होंठों की सही केयर बेहद जरूरी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि रात का समय होंठों की देखभाल के लिए सबसे अच्छा होता है। सोते समय होंठ बिना किसी रुकावट के नमी सोख सकते हैं और खुद को रिपेयर कर सकते हैं। अगर आप सॉफ्ट और गुलाबी होंठ चाहती हैं, तो सोने से पहले सिर्फ 5–10 मिनट दें और सही तरीके से होंठों की देखभाल करें।

होंठों से सारे प्रोडक्ट्स हटाएं

रात को स्किन केयर शुरू करने से पहले होंठों से लिपस्टिक, धूल और खाना साफ करें। इसके लिए रुई के फाहे पर थोड़ा नारियल या बादाम तेल लें और 10–15 सेकंड हल्के से दबाकर रखें। फिर एक दिशा में धीरे–धीरे पोंछें। गुनगुने पानी से धोकर मुलायम तौलिये से सुखा लें।

डेड स्किन सेल्स हटाएं

होंठों पर जमा डेड स्किन सेल्स होंठों को बेजान और सूखा बना देती हैं। सप्ताह में 2–3 बार हल्का स्क्रब करें।

स्क्रब बनाने का तरीका

1 छोटा चम्मच चीनी

½ छोटा चम्मच शहद

2–3 बूंद नारियल तेल

मिश्रण को 1–2 मिनट हल्के गोलाकार में मसाज करें। गीले कपड़े से पोंछें और इसके बाद लिप बाम लगाएं।

होंठों पर सीरम या तेल लगाएं: स्क्रब के बाद पोषण देने वाला तेल लगाएं। विटामिन ई कैप्सूल, बादाम तेल या घी इस्तेमाल करें। हल्के हाथों से 1 मिनट मसाज करें ताकि ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हो और नमी होंठों में लॉक हो जाए।

लिप मास्क या बाम लगाएं: रात में मोटा और पौष्टिक लिप बाम लगाना जरूरी है। इससे होंठ सोते समय रिपेयर होते हैं। आप घर पर भी बना सकते हैं।

½ छोटा चम्मच शहद

½ छोटा चम्मच एलोवेरा जेल

चुटकी हल्दी

इन सभी को मिलाकर होंठों पर मोटी परत में लगाएं और रातभर छोड़ दें।

रात में सिर्फ 5–10 मिनट दें और सही स्टेप्स अपनाएं। सुबह उठते ही आपके होंठ मुलायम, स्मूद और हल्के गुलाबी नजर आएंगे। इसके बाद लिपस्टिक या टिंट की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

नाश्ते में सेहत से भरपूर गेहूं के आटे का डोसा झटपट से बनाएं, नोट करें आसान रेसिपी

नाश्ते में हेल्दी क्या बनाएं यह हर रोज यही सवाल रहता है, आज क्या बनाएं? कुछ नया खाने के लिए गेहूं का आटे वाला डोसा घर पर जरुर बनाएं। इसे खाकर आपको काफी अच्छा लगेगा। आप भी नाश्ते में इस हेल्दी डोसा को जरुर बनाएं। आमतौर पर गृहणी परेशान रहती है कि आज घर में क्या बनाएं। नाश्ते से लेकर रात के डिनर तक यही सवाल बना रहता है कि क्या बनाएं। अगर आप भी नाश्ते के लिए कुछ हटके तलाश कर रहे हैं। तो आप नाश्ते में डोसा बना सकते हैं, अब आपके जहन में यहीं सवाल आ रहा होगा कि इसमें नया क्या है? आप ने ट्रेडिशनल डोसा उड़द की दाल और चावल वाला जरुर खाया होगा। लेकिन आपने आटा का डोसा नहीं खाया होगा। इसे आप गेहूं के आटे से तैयार कर सकते हैं और चाटनी के साथ खा सकते हैं। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

और जानें

गेहूं के आटे का डोसा के लिए सामग्री

– 2 कप गेहूं का आटा

– 4–5 कप पानी

– 1 चम्मच नमक या स्वादानुसार

– 2 चम्मच घी

– स्वादानुसार नमक

– 2 चम्मच चावल का आटा

– 1/4 छोटा चम्मच जीरा

– 2 बड़े चम्मच बारीक कटी प्याज

– 1 चम्मच दही

– करी पत्ते

– आधा छोटा चम्मच कद्दूकस किया अदरक

– 2 से 3 हरी मिर्च

गेहूं के आटे का डोसा कैसे बनाएं?

–गेहूं के आटे में नमक अच्छी तरह से मिला लें फिर इसमें चावल का आटा मिक्स करें। – अब इसमें दही और थोड़ा–थोड़ा पानी डालें और बैटर को धीरे–धीरे तब तक मिलाएं जब तक कि गाढ़ापन दिखने न लगे तो पानी डालें। इस बैटर की कंसिस्टेंसी थोड़ी पतली होती है। इसे गेहूं के डोसा बैटर में करी पत्ता, प्याज, हरी मिर्च, अदरक, जीरा डालें, इससे अच्छे से मिला ले।

– अब तवे को गर्म करें और एक बड़े चम्मच से बैटर डालें। तवे को बैटर से भर दें और फिर गैस को मध्यम–धीमी रखते हुए डोसे को पकाएं।

– डोसे के ऊपर आप घी की कुछ बूंदें डालें और धीरे से पलट दें। अब दूसरी तरफ से भी थोड़े सेक लें और फिर चटनी के साथ सर्व करें। चाहें तो डोसे में पनीर की फिलिंग भर दें।

लौंग है स्वास्थ्य का राज, 3 दिन इस चीज के साथ मिलाकर खाएं और पाएं गजब के फायदे!

लौंग एक फायदेमंद मसाला है, जो एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुणों से भरपूर होता है। इसे हम अपने खाने में स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि लौंग को नींबू के साथ मिलाकर खाने से आपके स्वास्थ्य में कई सुधार हो सकते हैं? आइए जानते हैं लौंग और नींबू के इस शक्तिशाली संयोजन के बारे में और इसके अद्भुत फायदों के बारे में।

लौंग और नींबू का शक्तिशाली संयोजन

लौंग और नींबू का संयोजन पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करता है। यह गट हेल्थ को सुधारता है और पेट की समस्याओं जैसे गैस, अपच और बवासीर को कम करने में सहायक है। लौंग में मौजूद एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–फंगल गुण पाचन तंत्र में बैक्टीरिया के विकास को रोकते हैं, जिससे आंतों में सूजन कम होती है।नींबू का विटामिन सी पाचन एंजाइमों के उत्पादन को बढ़ावा देता है, जो भोजन को पचाने में मदद करते हैं। इसके अलावा, नींबू का खट्टा स्वाद लार ग्रंथियों को सक्रिय करता है, जिससे पाचन प्रक्रिया में सुधार होता है। इस संयोजन का सेवन करने से आंतों की गति भी बढ़ती है, जिससे कब्ज की समस्या में राहत मिलती है। यदि आप नियमित रूप से लौंग और नींबू का सेवन करते हैं, तो यह आपके पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है, जिससे आप हल्का और तरोताजा महसूस करेंगे।

पाचन में सुधार

लौंग में मौजूद यौगिक पाचन में सुधार करने और आंतों के बैक्टीरिया को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। नींबू का रस पाचन एंजाइमों के कार्य को उत्तेजित करता है, जिससे भोजन का पाचन तेजी से होता है। इसके खट्टे स्वाद से लार ग्रंथियों की सक्रियता बढ़ती है, जो भोजन को पचाने में मदद करती है।

एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण

लौंग और नींबू दोनों में अद्भुत एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर में सूजन को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। लौंग में यूजेनॉल नामक यौगिक पाया जाता है, जो सूजन और दर्द को कम करने में बेहद प्रभावी होता है। वहीं, नींबू में विटामिन सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं और सूजन को घटाते हैं। खासकर उन लोगों के लिए जो जोड़ों के दर्द या अन्य सूजन संबंधी बीमारियों से ग्रस्त हैं। यदि आप किसी चोट या संक्रमण के बाद सूजन का अनुभव कर रहे हैं, तो लौंग और नींबू का यह मिश्रण तेजी से राहत पहुंचाने में सहायक हो सकता है।

इस तरह, लौंग और नींबू का संयोजन न केवल सूजन को कम करता है, बल्कि शरीर के समग्र स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है।

जोड़ों के दर्द से राहत

अगर आपको हड्डियों और जोड़ों के दर्द की समस्या है, तो लौंग और नींबू का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। नींबू में मौजूद विटामिन–सी हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक होता है। इसके अलावा, लौंग में यूजेनॉल पाया जाता है, जो प्राकृतिक दर्द निवारक के रूप में कार्य करता है।

जिससे सूजन कम होती है और जोड़ों के आसपास की मांसपेशियों को आराम मिलता है। नियमित रूप से लौंग और नींबू का मिश्रण खाने से हड्डियों के घनत्व में वृद्धि होती है, जिससे आर्थराइटिस जैसी स्थितियों में राहत मिलती है। जोड़ों के दर्द को नियंत्रित करने के लिए आप लौंग की चाय बना सकते हैं या नींबू के रस के साथ लौंग का पाउडर मिला सकते हैं, जिससे आपको लंबे समय तक आराम महसूस होगा। इस तरह, लौंग और नींबू का सेवन आपकी हड्डियों और जोड़ों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

श्वसन स्वास्थ्य

सांस और फेफड़ों से जुड़ी समस्याओं में राहत पाने के लिए लौंग और नींबू का मिश्रण बेहद फायदेमंद है। यह खांसी, जुकाम और अस्थमा जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। लौंग में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं, जो श्वसन तंत्र को साफ करने में मदद करते हैं और फेफड़ों में जमे बलगम को निकालने में सहायक होते हैं। नींबू का विटामिन–सी इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, जिससे मौसमी बीमारियों से बचाव में मदद मिलती है। इसके साथ ही, लौंग और नींबू का सेवन करने से श्वसन नलिकाओं में सूजन कम होती है, जिससे सांस लेने में आसानी होती है। आप इस मिश्रण को चाय में मिलाकर सुबह या शाम को पी सकते हैं, जो आपके श्वसन स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होगा। इसके नियमित सेवन से फेफड़ों की कार्यक्षमता में सुधार होता है और सांस से जुड़ी समस्याओं के उपचार में भी मदद मिलती है।

इम्यूनिटी बूस्ट

लौंग और नींबू के सेवन से आपकी इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, जिससे आपको मौसमी बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है। लौंग में एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता होती है, जो शरीर में फ्री रेडिकल्स के प्रभाव को कम करते हैं, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। नींबू का विटामिन–सी इम्यून सिस्टम को सशक्त बनाता है, जिससे शरीर की संक्रमण से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। जब इन दोनों का संयोजन किया जाता है, तो यह एक शक्तिशाली मिश्रण बनता है जो सर्दी, जुकाम, और अन्य मौसमी बीमारियों से बचाव में मदद करता है। इसके अलावा, नियमित रूप से लौंग और नींबू का सेवन करने से शरीर में सूजन और संक्रमण को भी कम किया जा सकता है, जिससे स्वास्थ्य में समग्र सुधार होता है। आप इसे सुबह की चाय में मिलाकर या एक गिलास पानी में नींबू के रस और लौंग डालकर पी सकते हैं, जिससे आपकी इम्यूनिटी को एक नया आयाम मिलता है।

वजन कम करने में मदद

नींबू और लौंग का सेवन मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करता है, जो वजन कम करने में सहायक हो सकता है। नींबू में मौजूद सिट्रिक एसिड आपके शरीर की चर्बी को कम करने में मदद करता है, जिससे शरीर में वसा के भंडारण की प्रवृत्ति कम होती है। लौंग, अपनी एंटी–ऑक्सीडेंट गुणों के साथ, भूख को नियंत्रित करने में सहायक होती है, जिससे आपको बार–बार खाने की इच्छा नहीं होती। इन दोनों का संयोजन आपकी कैलोरी खपत को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, जिससे वजन कम करने में आसानी होती है। इसके अलावा, नींबू और लौंग का सेवन आपकी ऊर्जा स्तर को बढ़ाता है, जिससे आप अधिक सक्रिय रहते हैं और शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित होते हैं। आप इसे सुबह एक गिलास गर्म पानी में नींबू का रस और कुछ लौंग डालकर पी सकते हैं, जो आपके वजन कम करने के प्रयास को और भी प्रभावी बना सकता है।

नींबू–लौंग का सेवन कैसे करें?

लौंग और नींबू की चाय लौंग और नींबू के टुकड़ों को गर्म पानी में डालकर चाय बनाएं और सुबह या शाम में सेवन करें। पानी का मिश्रण 1 लीटर पानी में लौंग और नींबू के टुकड़े डालकर रातभर के लिए छोड़ दें। अगले दिन पूरे पानी को पीएं। लौंग और नींबू का संयोजन एक प्राकृतिक उपचार के रूप में काम करता है, जो आपकी सेहत को कई तरीकों से सुधारने में मदद कर सकता है। इन दोनों का नियमित सेवन आपकी इम्यूनिटी, पाचन और समग्र स्वास्थ्य में सुधार लाने में सहायक होता है। हालांकि, किसी भी नए आहार को शामिल करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेना न भूलें।

स्वप्नशास्त्र: दिवाली से पहले इन सपनों का दिखना शुभ माना गया!

स्वप्नशास्त्र के अनुसार सपने हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं के संकेत देते हैं। यह विश्वास है कि दिवाली से पहले कुछ विशेष सपने ऐसे होते हैं जो भविष्य में आने वाले सुख, समृद्धि और सफलता की सूचना देते हैं। दिवाली हिन्दू धर्म में माँ लक्ष्मी की पूजा का विशेष दिन है और इसे धन, समृद्धि और सफलता का पर्व माना जाता है। यदि आप इन खास सपनों को देखते हैं, तो इसका अर्थ है कि आपकी किस्मत बदलने वाली है और माँ लक्ष्मी की कृपा आप पर होने वाली है।

स्वास्तिक चिह्न का दिखना

स्वास्तिक चिह्न हिन्दू धर्म में शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। दिवाली पर घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक का चिह्न लगाने से माँ लक्ष्मी का घर में वास होता है। यदि दिवाली से पहले आपको सपने में स्वास्तिक चिह्न दिखाई देता है, तो यह संकेत है कि आपके परिवार में सुख–समृद्धि आने वाली है। इसके साथ ही यह सपना पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने का प्रतीक है।

मंदिर के दर्शन

मंदिर का सपना देखना हमेशा शुभ माना जाता है, खासकर दिवाली से पहले। स्वप्नशास्त्र के अनुसार, यदि आपको दिवाली से पहले सपने में मंदिर दिखता है, तो यह इस बात का संकेत है कि आपके रुके हुए कार्य पूरे होने वाले हैं और जल्द ही आपको सफलता मिलेगी। यह सपना इस बात का भी प्रतीक है कि देवी लक्ष्मी आपसे प्रसन्न हैं और आपकी मनोकामनाएं पूरी होने वाली हैं।

गाय से दूध निकालते देखना

गाय को हिन्दू धर्म में पवित्र और देवी का रूप माना गया है। यदि आप दिवाली से पहले सपने में खुद को गाय से दूध निकालते हुए देखते हैं, तो यह अत्यंत शुभ होता है। स्वप्नशास्त्र के अनुसार, इस सपने का मतलब है कि आप पर माँ लक्ष्मी की विशेष कृपा है और आप आर्थिक रूप से समृद्ध होने वाले हैं। यह सपना आर्थिक सफलता और समृद्धि का प्रतीक है।

अपने कुलदेवता का दर्शन

स्वप्नशास्त्र के अनुसार, दिवाली से पहले यदि आपको अपने कुलदेवता सपने में दिखाई देते हैं, तो यह इस बात का संकेत है कि आपकी सभी मनोकामनाएं जल्द ही पूरी होने वाली हैं। यह सपना दर्शाता है कि आपको नौकरी, विवाह, या जीवन में किसी महत्वपूर्ण सफलता की प्राप्ति होने वाली है। कुलदेवता का सपना आशीर्वाद और जीवन में खुशियों के आगमन का प्रतीक है।

अखंड ज्योति जलते देखना

दिवाली का पर्व दीयों का पर्व है, और अगर आप दिवाली से पहले सपने में अखंड ज्योति जलते हुए देखते हैं, तो यह एक बहुत ही शुभ संकेत है। इसका मतलब है कि आपकी उम्र लंबी होने वाली है और आपकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान होने वाला है। साथ ही, यह सपना यह भी दर्शाता है कि आपके घर में सुख–समृद्धि में वृद्धि होने वाली है।

हरे–भरे खेत या बगीचे का दिखना

हरे–भरे खेत या बगीचे का सपना देखना अत्यंत शुभ माना जाता है। दिवाली से पहले यह सपना देखना इस बात का संकेत है कि आपके जीवन में प्रचुरता और समृद्धि आने वाली है। खेत या बगीचा जीवन में नई संभावनाओं और अवसरों का प्रतीक है। यह सपना विशेष रूप से आर्थिक रूप से बेहतर स्थिति की ओर इशारा करता है।

स्वर्ण आभूषण या धन का दिखना

यदि आपको दिवाली से पहले सपने में स्वर्ण आभूषण या धन दिखाई देता है, तो यह बेहद शुभ संकेत है। स्वप्नशास्त्र के अनुसार, यह सपना इस बात का प्रतीक है कि आप पर माँ लक्ष्मी की विशेष कृपा होने वाली है और आपको अचानक धन लाभ हो सकता है। यह सपना आपके आने वाले दिनों में समृद्धि और वित्तीय स्थिरता की ओर इशारा करता है।

पक्षियों का जोड़ा देखना

सपने में पक्षियों का जोड़ा देखना शुभ माना जाता है। यदि दिवाली से पहले आप सपने में पक्षियों को एक साथ उड़ते हुए देखते हैं, तो यह संकेत है कि आपके जीवन में प्रेम और सौहार्द्र बढ़ेगा। यह सपना खासकर वैवाहिक जीवन या प्रेम संबंधों के लिए शुभ होता है और परिवार में खुशी और संतोष की वृद्धि का प्रतीक है।

बहती नदी या जल स्रोत देखना

बहता हुआ पानी, जैसे कि नदी या झरना, स्वप्नशास्त्र में शांति और समृद्धि का प्रतीक है। यदि दिवाली से पहले आपको सपने में बहती नदी दिखाई देती है, तो इसका मतलब है कि आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और मानसिक शांति मिलेगी। यह सपना दर्शाता है कि आपकी सभी समस्याएं जल्द ही समाप्त होंगी और आपके जीवन में स्थिरता आएगी।

मोर नृत्य करते देखना

मोर का नृत्य हमेशा शुभ माना जाता है, और स्वप्नशास्त्र के अनुसार, दिवाली से पहले अगर आपको सपने में मोर नाचता हुआ दिखाई देता है, तो यह इस बात का संकेत है कि आपके जीवन में सुख–समृद्धि आने वाली है। यह सपना विशेष रूप से उन लोगों के लिए शुभ है जो किसी बड़ी सफलता की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मोर का नृत्य सुंदरता, खुशी और आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक है। स्वप्नशास्त्र के अनुसार, दिवाली से पहले आने वाले ये विशेष सपने न केवल शुभ संकेत होते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि आपकी किस्मत जल्द ही चमकने वाली है। यदि आपको इन सपनों का दर्शन होता है, तो यह संकेत है कि मां लक्ष्मी की कृपा आप पर है और आने वाला समय आपके लिए समृद्धि और सफलता से भरा हुआ होगा।

संक्षिप्त

एयर इंडिया की अनुषंगी को छह बोइंग विमानों के लिए मिला 21.5 करोड़ डश्वलर का ऋण

स्टैंडर्ड चार्टर्ड और बैंक ऑफ इंडिया ने बुधवार को गुजरात गिफ्ट सिटी स्थित एयर इंडिया की अनुषंगी कंपनी एआई फ्लीट सर्विसेज आईएफएससी लिमिटेड (एआईएफएस) को 21.5 करोड़ डॉलर का ऋण देने की घोषणा की। एक बयान में कहा गया है कि इस ऋण का उपयोग छह बोइंग 777–300 ईआर विमानों को लेने के लिए किया जाएगा। इन विमानों को आगे चलकर एयर इंडिया को पट्टे पर दिया जाएगा। यह ऋण सात वर्षों में किस्तों के रूप में चुकाया जाएगा। एआईएफएस, एयर इंडिया की विमानों को पट्टे पर मुहैया कराने वाली अनुषंगी है। एयर इंडिया इस समय अपने विमान बेड़े के आधुनिकीकरण और विस्तार की प्रक्रिया में है। इस सौदे को तैयार करने में स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने प्रमुख भूमिका निभाई है। वहीं, बैंक ऑफ इंडिया और स्टैंडर्ड चार्टर्ड दोनों ने मिलकर इस सौदे को मुख्य व्यवस्थापक और बुकरनर के रूप में पूरा किया। स्टैंडर्ड चार्टर्ड के वैश्विक प्रमुख (परिवहन वित्त) अभिषेक पांडेय ने कहा, ''यह वित्तपोषण विमानन वित्त क्षेत्र के हमारे अनुभव और भारत के विमानन क्षेत्र की निरंतर वृद्धि में हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'' एआईएफएस के चेयरमैन और एयर इंडिया के मुख्य वित्तीय अधिकारी संजय शर्मा ने कहा, एयर इंडिया ने 570 विमानों का ऑर्डर देकर बदलाव की पंचवर्षीय यात्रा शुरू की है और गिफ्ट सिटी इन विमानों के वित्तपोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

रुपया शुरुआती कारोबार में 40 पैसे की बढ़त के साथ 87.68 प्रति डॉलर पर

केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप और अमेरिकी डॉलर में नरमी के बीच रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में 40 पैसे की बढ़त के साथ 87.68 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सकारात्मक घरेलू शेयर बाजार, कच्चे तेल की कम कीमतों और विदेशी पूंजी के प्रवाह में नए सिरे से वृद्धि जैसे अन्य सहायक कारकों ने भी निवेशकों की धारणा को बढ़ावा दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.76 प्रति डॉलर पर खुला। फिर बढ़त के साथ 87.68 प्रति डॉलर के शुरुआती उच्च स्तर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 40 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को 73 पैसे की तेजी के साथ 88.08 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.51 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 407.67 अंक चढ़कर 83,013.10 अंक पर जबकि निफ्टी 104 अंक की बढ़त के साथ 25,427.55 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 62.37 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 68.64 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

भारत का डिजिटल मॉडल बना वैश्विक आकर्षण का केंद्र, अमेरिका में RBI गवर्नर मल्होत्रा ने साझा किया अनुभव

नई दिल्ली। वॉशिंगटन डीसी में विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की वार्षिक बैठकों के दौरान आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भारत के डिजिटल पब्लिक प्लेटफॉर्म (डीपीपी) इकोसिस्टम पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। केंद्रीय बैंक के अनुसार, डिजिटल सार्वजनिक प्लेटफार्मों के माध्यम से आर्थिक लचीलापन बनाने पर उच्च स्तरीय वार्ता विषय पर एक उच्चस्तरीय संवाद 14 अक्तूबर 2025 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन आरबीआई ने विश्व बैंक और आईएमएफ की वार्षिक बैठकों के दौरान किया था।

संवाद का उद्देश्य

इस संवाद का उद्देश्य भारत के डिजिटल सार्वजनिक ढांचे से जुड़ी अनुभवों, सीखों को साझा करना और वैश्विक सहयोग के अवसरों की खोज करना था, ताकि अधिक मजबूत और समावेशी डिजिटल प्रणालियां विकसित की जा सकें। आरबीआई ने कहा कि गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भारत के क्व्ब इकोसिस्टम

का एक संक्षिप्त अवलोकन प्रस्तुत किया और विशेष रूप से सरकारी ट्रांसफर पेमेंट्स में डिजिटलाइजेशन और वित्तीय समावेशन में उन मिका पर प्रकाश डाला।

डिजिटल सार्वजनिक ढाचे में सरकार की भूमिका

मल्होत्रा ने बताया कि भारत के डिजिटल सार्वजनिक ढाचे ने सरकारी ट्रांसफर पेमेंट्स को अधिक सुगम और पारदर्शी बनाया है, जिससे लाभ सीधे और प्रभावी तरीके से नागरिकों तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि आधार जैसे डिजिटल पहचान प्लेटफॉर्म और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (न्च्) जैसे रियल–टाइम भुगतान तंत्र ने यह साबित किया है कि कैसे बड़े पैमाने पर, मजबूत और किफायती सार्वजनिक सेवा प्रणालियां विकसित की जा सकती हैं जो करोड़ों लोगों की सेवा कर सकें। मल्होत्रा ने जोर दिया कि ये प्लेटफॉर्म भारत के डिजिटल परिवर्तन के केंद्र में हैं, जो तेज, पारदर्शी और सुरक्षित वित्तीय लेन–देन को सक्षम बनाते हुए सरकारी सेवाओं की पहुंच में सुधार कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में 38 देशों के केंद्रीय बैंकों के प्रतिनिधि, जिनमें 22 गवर्नर और वरिष्ठ नीति–निर्माता शामिल थे, ने हिस्सा लिया। यह भारत की डिजिटल यात्रा में बढ़ती वैश्विक रुचि को दर्शाता है।

`मुझे तो पता भी नहीं ये कौन है', ट्रॉफी विवाद पर आईसीसी के पूर्व अंपायर का मोहसिन नकवी पर बड़ा हमला

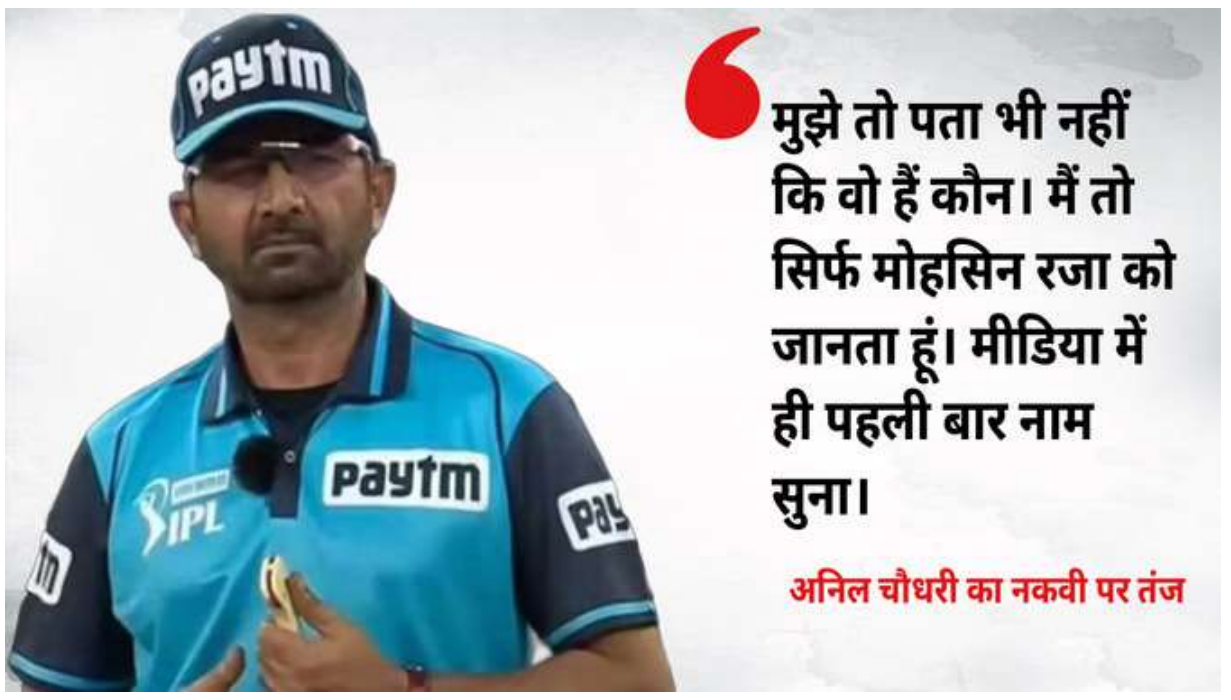

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए एशिया कप 2025 के फाइनल को हुए दो हफ्ते से ज्यादा हो चुके हैं, लेकिन अब भी भारतीय टीम को विजेता ट्रॉफी और मेडल नहीं मिले हैं। अब इस पर आईसीसी के पूर्व अंपायर अनिल चौधरी का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने एशियाई एशियन क्रिकेट काउंसिल और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी पर निशाना साधा है।

क्या है मामला?

यह मामला तब शुरू हुआ जब मोहसिन नकवी, जो कि पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं, वह फाइनल मैच के बाद ट्रॉफी और भारतीय टीम का मेडल लेकर होटल चले गए। मैच के बाद सूर्यकुमार यादव और भारतीय खिलाड़ियों ने नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था क्योंकि उनका रवैया भारत–विरोधी था। इसके बाद नकवी ने बयान दिया कि श्अगर भारतीय टीम को ट्रॉफी चाहिए तो आकर मुझसे ले जाए।श इस बेतुके बयान के बाद क्रिकेट जगत में खलबली मच गई और अब पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायर अनिल चौधरी ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

ट्रॉफी कोई भी दे सकता था, नियमों में कहीं नहीं लिखा

आरजे रौनक के पॉडकास्ट पर बात करते हुए अनिल चौधरी ने मोहसिन नकवी की हरकत को शर्मनाक और बचकाना बताया। उन्होंने कहा, ट्रॉफी कोई भी दे सकता था। वहां यूएई अथॉरिटी के कई अधिकारी मौजूद थे। कहीं भी यह नहीं लिखा कि एक ही व्यक्ति को ट्रॉफी देना जरूरी है। कोई नियम नहीं है कि केवल एक शख्स ही पुरस्कार दे सकता है। चौधरी ने व्यंग्य करते हुए कहा, वो सज्जन ट्रॉफी लेकर ही चले गए। अब सज्जन शब्द का दूसरा मतलब भी होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह की घटना उन्होंने अपने पूरे करियर में कभी नहीं देखी।

मुझे तो पता भी नहीं ये मोहसिन नकवी कौन हैं

जब उनसे पूछा गया कि क्या वे कभी मोहसिन नकवी से मिले हैं, तो चौधरी ने हंसते हुए कहा, मुझे तो पता भी नहीं कि वो हैं कौन। मैं तो सिर्फ मोहसिन रजा को जानता हूं। मीडिया में ही पहली बार नाम सुना। उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में कहा, मैं तो वैसे भी कोट–पैंट पहनने वालों से ज्यादा मिलता नहीं हूं। अपने काम से काम रखता हूं। लेकिन ऐसी हरकत तो मैंने स्थानीय क्रिकेट में भी नहीं देखी। पूर्व अंपायर के मुताबिक, यह पहला मौका है जब किसी टूर्नामेंट में विजेता टीम को ट्रॉफी नहीं सौंपी गई और आयोजक खुद उसे लेकर चले गए।

हैंडशेक विवाद पर भी बोले अनिल चौधरी

अनिल चौधरी ने इस मौके पर भारत–पाकिस्तान मैच के दौरान हुए हैंडशेक विवाद पर भी अपनी बात रखी। भारत ने एशिया कप के तीनों मैचों के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था, जिस पर सोशल मीडिया में बवाल मचा था। चौधरी ने कहा, ऐसा कोई नियम नहीं है कि हर खिलाड़ी को हैंडशेक करना ही होगा। यह बस एक जेस्चर है, न कि कोई अनिवार्य परंपरा। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने रणजी ट्रॉफी में अंपायरिंग शुरू की थी, तब ऐसा कोई चलन नहीं था। उन्होंने कहा, श्पहले सिर्फ कप्तान हाथ मिलाते थे, अब तो लगभग 70 लोग एक–दूसरे से हाथ मिलाते हैं। यह पूरी तरह आपकी मर्जी पर निर्भर है।

नकवी की हरकतों पर सवाल, एसीसी की चुप्पी

जहां भारतीय क्रिकेट फैंस और दिग्गज मोहसिन नकवी की हरकत की निंदा कर रहे हैं, वहीं एशियन क्रिकेट काउंसिल अब तक इस मामले पर चुप है। कई पूर्व खिलाड़ी और अधिकारी इसे क्रिकेट की मर्यादा का उल्लंघन बता रहे हैं। अनिल चौधरी के बयान ने अब इस विवाद को और हवा दे दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि, यह खेल की भावना के खिलाफ है। कोई भी ट्रॉफी लेकर नहीं जा सकता। खिलाड़ियों और आयोजकों के बीच सम्मान बना रहना चाहिए।

टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने को तैयार: कोहली, रोहित और गिल पर्थ पहुंचे, 19 अक्तूबर से वनडे सीरीज की शुरुआत

पर्थ। भारतीय वनडे टीम के प्रमुख खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा और नए कप्तान शुभमन गिल गुरुवार सुबह ऑस्ट्रेलिया के पर्थ पहुँचे, जहां 19 अक्तूबर से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज शुरू होगी। कोहली, रोहित और गिल के साथ केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी भी टीम के साथ पहुंचे। सपोर्ट स्टाफ के कुछ सदस्य भी इस दल के साथ थे, जबकि मुख्य कोच गौतम गंभीर और बाकी कोचिंग स्टाफ शाम की उड़ान से दिल्ली से रवाना हुए और दिन में बाद में टीम से जुड़ने वाले हैं।

तीन मैचों की सीरीज का कार्यक्रम

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह सीरीज 19 अक्तूबर से शुरू होगी। पहला मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा, इसके बाद दूसरा वनडे एडिलेड (23 अक्तूबर) और तीसरा और अंतिम मैच सिडनी (25 अक्तूबर) में आयोजित होगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज भी होगी, जो 29 अक्तूबर से शुरू होगी।

कोहली–रोहित की वापसी से बढ़ा रोमांच

यह वनडे सीरीज इसलिए भी खास है क्योंकि यह विराट कोहली और रोहित शर्मा की चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में जीत के बाद पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज है। दोनों सीनियर खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर पिछले कुछ समय से अटकलें तेज थीं, खासकर तब से जब शुभमन गिल को वनडे कप्तान बनाया गया। कोहली और रोहित दोनों ने टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ही 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक खेलना चाहते हैं।

गिल ने किया अनुभवी खिलाड़ियों को समर्थन

भारतीय टीम के नए कप्तान शुभमन गिल ने भी अपने बयान में साफ कहा है कि टीम को कोहली और रोहित जैसे खिलाड़ियों के अनुभव की जरूरत है। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत के बाद कहा था, दोनों खिलाड़ियों का जो अनुभव है और भारत के लिए जितने मैच उन्होंने जिताए हैं, वैसे खिलाड़ी बहुत कम हैं। इतने अनुभव, स्किल और क्वालिटी वाले खिलाड़ी दुनिया में भी गिने–चुने हैं। गिल का यह बयान इस बात की पुष्टि करता है कि युवा कप्तान सीनियर खिलाड़ियों के साथ मिलकर भारतीय क्रिकेट को अगले वर्ल्ड कप तक मजबूत दिशा में ले जाना चाहते हैं।

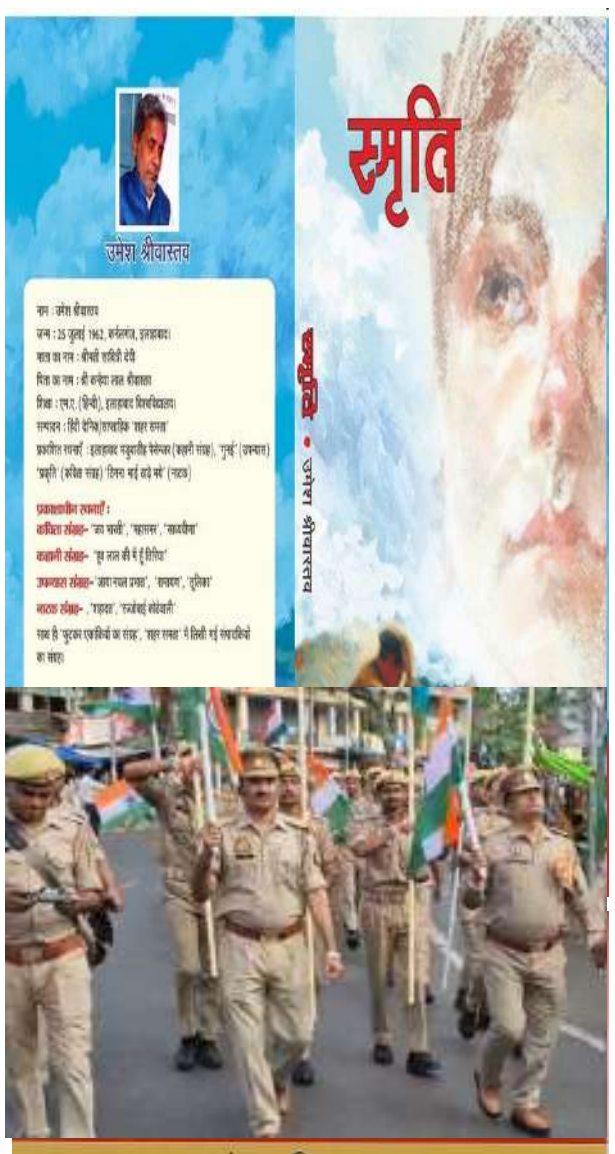

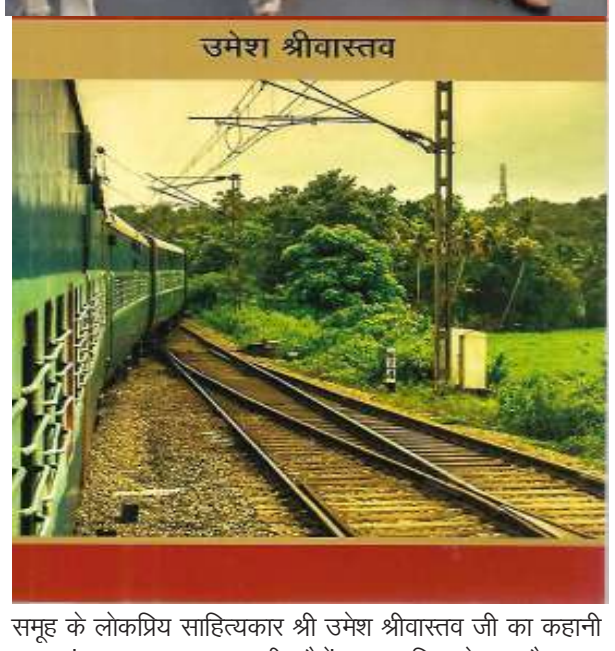

उमेश श्रीवास्तव

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

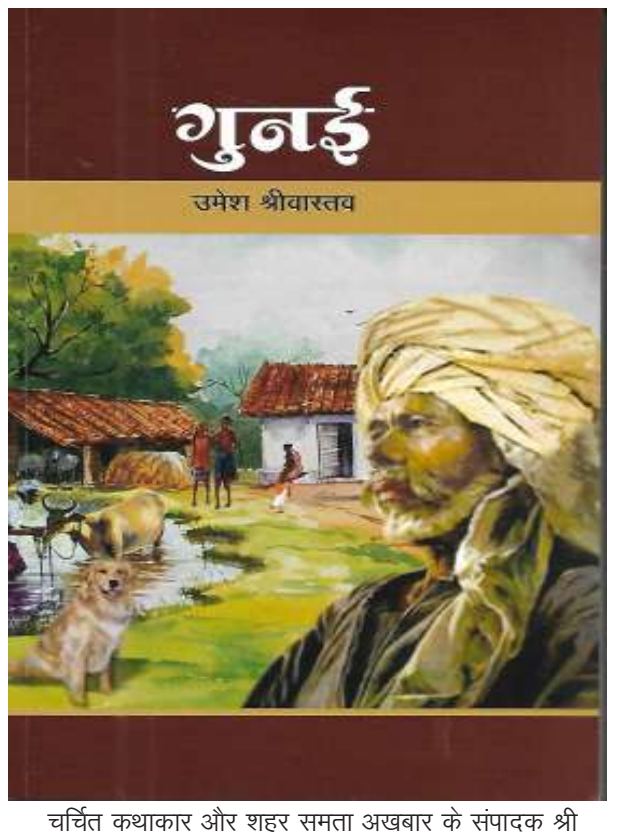

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

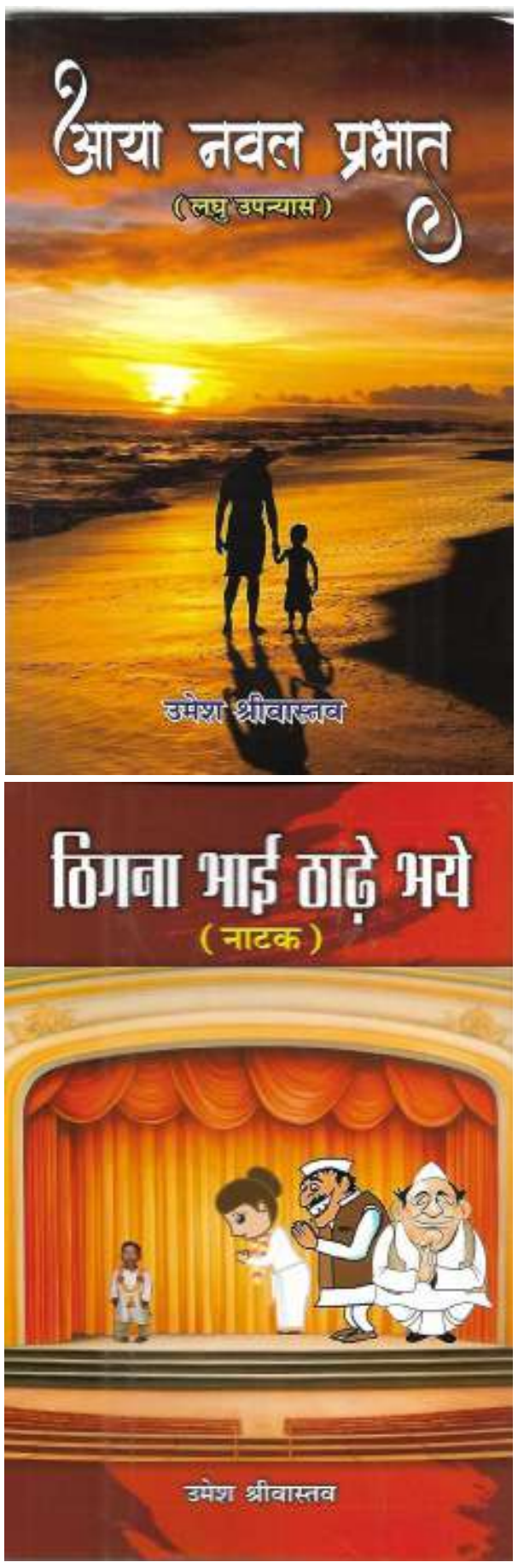

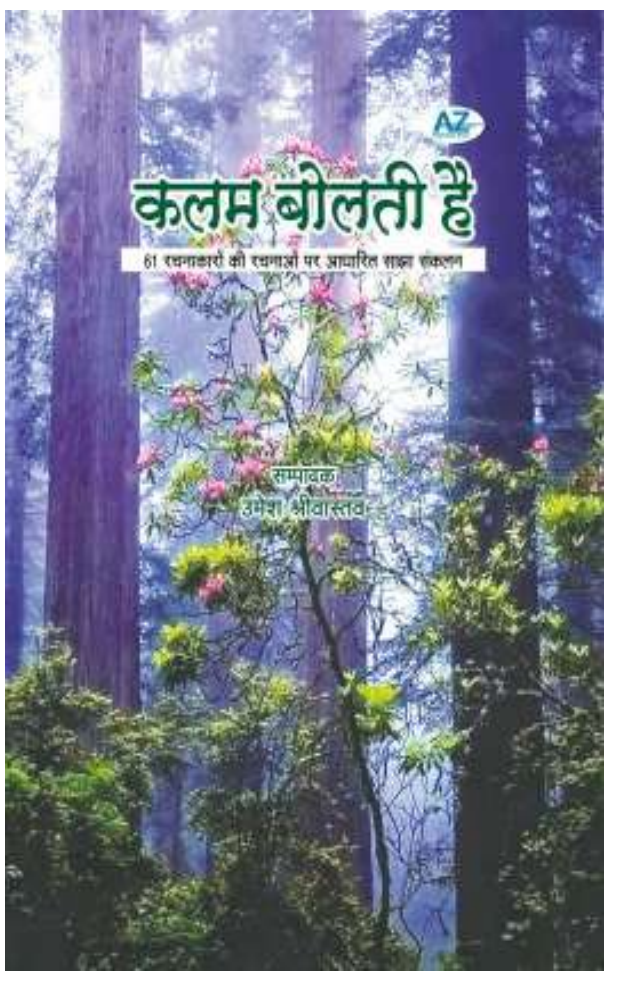

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा : पीएम मोदी ने कहा भारत रोकेगा रूसी तेल खरीद, क्या दिल्ली बदलेगी नीति ?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे कहा है कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। ट्रम्प ने इस कदम को मास्को को आर्थिक रूप से अलग–थलग करने के प्रयासों में एक ''बड़ा कदम'' बताया।

रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा भारतः ट्रंप का दावा

डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से आश्वासन दिया है कि उनका देश रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा। बहरहाल, इस दावे की पुष्टि भारत सरकार ने नहीं की है। ट्रंप ने कहा, ''कोई तेल नहीं होगा। वे तेल नहीं खरीद रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि यह बदलाव तुरंत नहीं होगा, बल्कि ''थोड़े समय में' होगा। वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास के कार्यालय ने इस संबंध में टिप्पणी करने के अनुरोध का अभी कोई जवाब नहीं दिया है। ट्रंप यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने में अपनी असमर्थता के कारण निराश हैं। इस युद्ध की शुरुआत लगभग चार साल पहले रूस के आक्रमण से हुई थी। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति असंतोष व्यक्त किया है, जिन्हें वह सुलह की राह में सबसे बड़ी बाधा बताते रहे हैं। ट्रंप का शुक्रवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मिलने का कार्यक्रम है। चीन के बाद भारत रूसी तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है और ट्रंप ने इसके दंड के तौर पर अगस्त में भारत पर शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया था।

भारत महान देश, मेरे अच्छे मित्र उसका नेतृत्व कर रहे हैंरू ट्रंप

ट्रंप के इस बयान से पहले उन्होंने भारत की तारीफ की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम लिए बिना उनकी प्रशंसा करते हुए कहा, ''भारत महान देश है, जिसका नेतृत्व मेरे बहुत अच्छे मित्र कर रहे हैं।'' ट्रंप ने गाजा में इजराइल–हमास के बीच करीब दो साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए युद्ध विराम पर बनी सहमति के बाद मिस्र के शर्म अल शेख शहर में विश्व नेताओं के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि ''भारत और पाकिस्तान एक साथ बहुत अच्छी तरह से रहेंगे''। ट्रंप ने अपने पीछे खड़े पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ओर देखते हुए कहा, ''भारत महान देश है और मेरे बहुत अच्छे मित्र उसका नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने शानदार काम किया है। मुझे लगता है कि पाकिस्तान और भारत साथ मिलकर बहुत अच्छे से रहेंगे।'' इससे पहले शरीफ और पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की प्रशंसा करते हुए ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को सभा को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया। शरीफ ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के अथक प्रयासों के बाद पश्चिम एशिया में शांति स्थापित हुई है। ट्रंप अब तक भारत और पाकिस्तान के बीच के विवाद समेत सात विवादों को सुलझाने का दावा करते रहे हैं। हालांकि, अब उन्होंने इजराइल–गाजा विवाद को जोड़कर यह संख्या आठ कर दी है। ट्रंप ने 10 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि अमेरिका की मध्यस्थता से भारत और पाकिस्तान ''पूर्ण और तत्काल'' संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दर्जनों बार अपना यह दावा दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष का 'समाधान' करने में मदद की है। भारत ने लगातार यह कहा है कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष समाप्त करने पर सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी थी।

संक्षिप्त

गाजा में युद्धविराम के बाद अब ट्रंप का ध्यान रूस–यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने पर

इजराइल–हमास के बीच युद्धविराम समझौता होने के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अब वह रूस–यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। ट्रंप इस दिशा में रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए यूक्रेन को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइल देने पर विचार कर रहे हैं

ताकि मॉस्को को वार्ता के लिए राजी किया जा सके। ट्रंप ने अपने 2024 के चुनाव अभियान में यूक्रेन और गाजा के युद्धों को समाप्त कराने का वादा किया था और तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन की नीतियों की कड़ी आलोचना की थी। हालांकि, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से सीधे वार्ता कराने की उनकी कोशिशें अब तक नाकाम रही हैं। गाजा में युद्धविराम के बाद ट्रंप ने कहा कि अब उन्हें उम्मीद है कि रूस–यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने की दिशा में भी प्रगति होगी। ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच इस साल शुक्रवार को चौथी बैठक होगी। इस बैठक से पहले ट्रंप ने कहा कि यदि पुतिन जल्द शांति वार्ता शुरू नहीं करते, तो वह यूक्रेन को टॉमहॉक क्रूज मिसाइल बेचने पर विचार करेंगे। इन मिसाइल की मारक क्षमता लगभग 1,600 किलोमीटर है और ये यूक्रेन को रूसी क्षेत्र के भीतर गहराई तक प्रहार करने की क्षमता देंगी। पुतिन ने साफ कहा है कि यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें उपलब्ध कराना 'लक्ष्मण रेखा' लांघना होगा तथा यह मॉस्को और वाशिंगटन के बीच रिश्तों को नुकसान पहुंचाएगा लेकिन ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह पीछे हटने वाले नहीं हैं। ट्रंप प्रशासन सीनेट में लंबित उस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, जिसके तहत रूस से तेल, गैस और यूरेनियम खरीदने वाले देशों पर भारी शुल्क (टैरिफ) लगाने का प्रावधान है।

ब्रसेल्स से अमेरिका जा रहे हेगसेथ के विमान की खिड़की के शीशे में दरार, उड़ान को ब्रिटेन भेजा गया

बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की बैठक में हिस्सा लेने के बाद अमेरिका लौट रहे रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के विमान की खिड़की के शीशे में दरार के कारण उड़ान का मार्ग परिवर्तित कर उसे ब्रिटेन भेजा गया। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि विमान में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि विमान ''मानक प्रक्रियाओं के आधार पर'' उतरा। हेगसेथ के ब्रसेल्स से रवाना होने के बाद 'ओपन सोर्स फ्लाइट ट्रैकर' ने पाया कि उसका सी–32 विमान ऊंचाई पर नहीं पहुंच पा रहा है और एक आपातकालीन संकेत प्रसारित कर रहा है। पेंटागन में पत्रकारों के लिए नए नियमों को अस्वीकार करने के कारण 'पेंटागन प्रेस कोर' का कोई भी सदस्य हेगसेथ के साथ यात्रा नहीं कर रहा था। फरवरी में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और सीनेट की विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष सीनेटर जिम रिश को ले जा रहे वायु सेना के सी–32 विमान को भी कॉकपिट की खिड़की के शीशे में समस्या के कारण इसी तरह वाशिंगटन लौटना पड़ा था। यह घटना वाशिंगटन के बाहर 'ज्वाइंट बेस एंड्रयूज' से उड़ान भरने के लगभग 90 मिनट बाद हुई। सी–32, बोइंग 757–200 वाणिज्यिक विमान का एक विशेष रूप से निर्मित संस्करण है जो उपराष्ट्रपति, प्रथम महिला और कैबिनेट एवं संसद के सदस्यों सहित अमेरिकी नेताओं द्वारा इस्तेमाल किया जाता है।

इजराइल को दो और बंधकों के शव सौंपे गए

इजराइल को हमास द्वारा बंधक बनाए गए दो और लोगों के शव बुधवार को सौंपे गए। इससे कुछ ही घंटे पहले इजराइली सेना ने कहा था कि युद्ध विराम समझौते के तहत हमास द्वारा मंगलवार को सौंपे गए शवों में से एक शव गाजा में बंधक बनाकर रखे गए व्यक्ति का नहीं है। इस भ्रम की स्थिति ने दो साल से जारी युद्ध को विराम देने वाले नाजुक समझौते को लेकर तनाव और बढ़ा दिया है। 'रेड क्रॉस' ने हमास द्वारा सौंपे गए शवों को बुधवार को इजराइल तक पहुंचाया। दोनों ताबूतों के इजराइल पहुंचने के बाद सेना ने एक बयान में कहा कि बंधकों की पहचान अभी तक सत्यापित नहीं हुई है। इस बीच, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उसे इजराइल से 45 और फलस्तीनियों के शव मिले हैं जो युद्धविराम समझौते के क्रियान्वयन की दिशा में एक और कदम है। इसके साथ ही गाजा में लाए गए शवों की कुल संख्या 90 हो गई है। इस बीच फोरेंसिक टीम ने कहा कि उसे शवों के परीक्षण के बाद उनके साथ दुर्व्यवहार किए जाने के संकेत मिले हैं। युद्ध विराम समझौते के तहत हमास ने इजराइल को मंगलवार को चार बंधकों के शव सौंपे थे। इससे पहले सोमवार को चार शव सौंपे गए थे और शेष 20 जीवित बंधकों को रिहा किया गया था। कुल मिलाकर, इजराइल 28 मृत बंधकों के शवों की वापसी का इंतजार कर रहा है। इजराइली सेना ने कहा कि फोरेंसिक जांच से पता चला है कि मंगलवार को ''हमास द्वारा इजराइल को सौंपा गया चौथा शव किसी भी बंधक से मेल नहीं खाता।'' इस बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है कि यह शव किसका है। बंधकों की रिहाई के बदले में इजराइल ने सोमवार को लगभग 2,000 फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

मुझे बांधा, प्रताड़ित किया और धमकाया, ग्रेटा थनबर्ग ने इस्राइली `यातना' पर अब तोड़ी चुप्पी

तेल अवीव। इस्राइल की हिरासत में रहने के दौरान ऐक्टिविस्ट ग्रेटा थनबर्ग के साथ क्या–क्या हुआ? अब इस पर स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता ने चुप्पी तोड़ी है। 22 वर्षीय जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग ने गाजा फ्लोटिला की गिरफ्तारी के बाद इस्राइली हिरासत में यातना के गंभीर आरोप लगाए। ग्रेटा थनबर्ग ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपने साथ हुए कथित दुर्व्यवहार के बारे में खुलकर बात की, जब उन्हें फीडम फ्लोटिला में हिस्सा लेने के बाद इस्राइली अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। इस फ्लोटिला का उद्देश्य गाजा में नाकाबंदी के तहत फिलिस्तीनियों को मानवीय सहायता पहुंचाना था। हालांकि, इस महीने की शुरुआत में इस्राइली बलों ने इस मिशन को रोक दिया, और वॉटर कैनन का इस्तेमाल करते हुए कई जहाजों पर चढ़े और 400 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया।

हाई सिक्योरिटी जेल में रखा, धमकाया

ग्रेटा थनबर्ग और उनके साथी कार्यकर्ताओं को हाई सिक्योरिटी वाली जेल में रखा गया था। उन्हें कई दिनों बाद रिहा कर दिया गया, लेकिन अब उनका दावा है कि हिरासत के दौरान उन्हें शारीरिक शोषण, धमकियां और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। अब ग्रेटा थनबर्ग ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया, धमकाया और परेशान किया, जिसमें उन्हें बांधना और फिर सेल्फी लेना भी शामिल था।

मुझे बांधा, प्रताड़ित किया और सेल्फी ली

थनबर्ग ने स्वीडिश आउटलेट आफ्टनब्लैडेट को बताया कि गार्डों में ना तो कोई सहानुभूति है और ना ही मानवता और वे मेरे साथ सेल्फी लेते रहे। बहुत कुछ ऐसा है जो मुझे याद नहीं है। वे मुझे घसीटकर उस तरफ ले गए जहां दूसरे लोग बैठे थे, और पूरे समय मेरे चारों ओर झंडा लटका हुआ था। उन्होंने मेरी पिटाई की और लात मारी। उन्होंने आगे कहा, ष्एक साथ इतना कुछ हो रहा होता है। आप सदमे में होते हैं। आपको दर्द होता है, लेकिन आप शांत रहने की कोशिश करते हैं। थनबर्ग ने बताया कि उन्होंने लगभग 50 लोगों को घुटनों के बल, हथकड़ी लगे और जमीन पर माथे रखे देखा। उन्होंने दावा किया कि इस्राइली गार्डों ने उनके हाथों को कसकर बांधा और जब वह शांत हो गई तो उनके साथ सेल्फी लेने के लिए कतार में खड़े हो गए थे। थनबर्ग ने यह भी आरोप लगाया कि एक समय तो बंदियों को गैस से मारने की धमकी भी दी गई थी। उन्होंने कहा कि फिर गार्ड आए और कहा, हम तुम्हें गैस से मार देंगे। ऐसा कहना उनके लिए आम बात थी। उन्होंने एक गैस सिलेंडर दिखाया और धमकी दी। थनबर्ग ने जोर देकर कहा कि ध्यान नाकाबंदी और अकाल से जूझ रहे फलस्तीनियों की नाकाबंदी पर होना चाहिए, ना कि उनके व्यक्तिगत अनुभव पर। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत रूप से मैं यह नहीं बताना चाहती कि मेरे साथ क्या हुआ? क्योंकि मैं नहीं चाहती कि यह सुर्खियां बने।

बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, संघीय कर्मियों के नौकरी से निकाले जाने पर जज की ट्रंप प्रशासन को फटकार

वॉशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय अदालत के जज ने बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को सरकारी कामकाज बंद (शटडाउन) के दौरान हजारों कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने से अस्थायी रूप से रोक दिया। अदालत ने कहा कि यह कदम राजनीतिक मकसद से प्रेरित दिखता है और बिना सही तैयारी के उठाया गया है। गौरतलब है कि अमेरिका में यह शटडाउन का तीसरा हफ्ता है। सैन फ्रांसिस्को की जिला न्यायाधीश सुजन इल्सटन ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की तरफ से 4,100 से अधिक कर्मचारियों को हटाने का निर्णय कानूनी अधिकार से परे है और इससे मानवीय नुकसान हो रहा है। उन्होंने इस फैसले को रोकते हुए अस्थायी प्रतिबंध आदेश जारी किया। इल्सटन ने सुनवाई के दौरान सरकारी वकील से बार–बार यह पूछने की कोशिश की कि जब ज्यादातर प्रभावित कर्मचारी पहले से ही फर्लो (अस्थायी छुट्टी) पर हैं और उनकी ईमेल या मानव संसाधन सहायता तक पहुंच नहीं है, तो ऐसे में यह छंटनी क्यों की जा रही है। न्यायाधीश ने कहा, ''यह बहुत हद तक पहले गोली चलाओ, फिर निशाना लगाओ जैसी नीति है, जो अस्वीकार्य है।'' यह आदेश अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों के संगठन 'अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज' और अन्य संघों की याचिका पर आया, जिन्होंने अदालत से मांग की थी कि सरकार को नए छंटनी नोटिस जारी करने और पहले से दिए गए नोटिस लागू करने से रोका जाए। उनका कहना था कि यह कार्रवाई कर्मचारियों को सजा देने और कांग्रेस पर दबाव बनाने का राजनीतिक प्रयास है। व्हाइट हाउस ने इस पर टिप्पणी से इनकार करते हुए कहा कि इस विषय में सभी सवाल प्रबंधन और बजट दफ्तर से किए जाएं, जिसने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। डेमोक्रेट सांसद चाहते हैं कि सरकारी कामकाज दोबारा शुरू करने से पहले स्वास्थ्य बीमा सब्सिडी को जारी रखने और मेडिकेड कटौती को वापस लेने पर सहमति बने, जबकि रिपब्लिकन स्पीकर माइक जॉनसन ने डेमोक्रेट्स की सुनवाई से इनकार किया है। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन आठ संघीय एजेंसियों में 4,100 से अधिक पदों को समाप्त करने की योजना बना रहा है। यह कटौती मुख्य रूप से स्वास्थ्य और शिक्षा कार्यक्रमों में की जा रही है, जबकि सेना और आव्रजन नियंत्रण के खर्चे जारी हैं। इससे पहले भी न्यायाधीश इल्सटन ने संघीय कार्यबल को घटाने की प्रशासन की कोशिशों पर रोक लगाई थी, हालांकि बाद में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने कुछ हद तक कर्मचारियों की छंटनी की अनुमति दे दी थी।

संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी: भुखमरी की चपेट में आ सकते हैं 1.4 करोड़ लोग,डब्ल्यूएफपी ने बताई फंडिंग संकट की वजह

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य सहायता एजेंसी ने बुधवार को कहा कि उसके प्रमुख दानदाताओं द्वारा वित्त पोषण में की गई कटौती से छह देशों में उसकी गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। उसने चेताया कि इससे करीब 1.4 करोड़ लोग भुखमरी की कगार पर पहुंच सकते हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा कि इस वर्ष उसका वित्त पोषण अब तक की सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है। डब्ल्यूएफपी ने कहा, इस चुनौती का मुख्य कारण अमेरिका (डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के तहत) तथा अन्य प्रमुख पश्चिमी देशों द्वारा अनुदान में की गई भारी कटौती है। एजेंसी ने चेतावनी दी कि उसकी खाद्य सहायता प्राप्त करने वाले 1.37 करोड़ लोगों को अब आपात स्तर की भुखमरी का सामना करना पड़ सकता है। जिन देशों में मुख्य व्यवधान देखने को मिल रहे हैं, वे अफगानिस्तान, कांगो, हैती, सोमालिया, दक्षिण सूडान और सूडान हैं।

भुखमरी विरोधी प्रगति खोने का खतरा : डब्ल्यूएफपी ने बताया कि इस साल उसे 40: कम वित्त पोषण मिलने के आसार हैं। इस तरह उसका अनुमानित बजट 10 अरब डॉलर से घटकर 6.4 अरब डॉलर रह जाएगा। एजेंसी की अधिकारी सिंडी मैक्केन ने कहा, यह सिर्फ धन की कमी नहीं, इससे अब तक हुई प्रगति खोने का खतरा है।

शिचमी नेपाल में आया 4.9 तीव्रता का भूकंप, फिलहाल नुकसान की खबर नहीं

काठमांडू। पश्चिमी नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में गुरुवार को 4.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। हालांकि भूकंप के झटकों के चलते लोग घरों से बाहर निकल आए। पिछले महीने भी नेपाल में कई बार भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र के अनुसार, भूकंप सुबह 1:08 बजे दर्ज किया गया, जिसका केंद्र बझांग जिले के दंतोला क्षेत्र में था। बझांग जिला

काठमांडू से लगभग 475 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। पड़ोसी जिलों बाजुरा, बैतड़ी और दारचुला में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। बता दें कि नेपाल सबसे सक्रिय टेक्टोनिक क्षेत्रों (भूकंपीय क्षेत्र IV और V) में से एक में स्थित है, जो बेहद ही संवेदनशील इलाका है। यहां हर साल कई भूकंप आते हैं।

क्यों आता है भूकंप?

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार–बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

जानें क्या है भूंकप के केंद्र और तीव्रता का मतलब?

भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों–ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

खैबर पख्तूनख्वा में पाक सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, टीटीपी के 34 आतंकियों को किया ढेर

खैबर पख्तूनख्वा। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई की है। इसके तहत सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 34 आतंकियों को मार गिराया है।

यह जानकारी पाकिस्तान सेना की मीडिया विंग इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने गुरुवार को दी।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।